राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........ 9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, बुधवार, 13 मई 2026

वर्ष 14,अंक 34, पृष्ट 04, मूल्य: 01 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

मलिहाबाद में शराब दुकान के सेल्समैन की हत्या, आरोपी गिरफ़्तार.....03

क्रूज शिप पर सवार अमेरिकी नागरिक मिला हंटावायरस से संक्रमित......04

एक विवादित वोट से सरकार का भविष्य तय हो सकता है तो संवैधानिक अदालतें चुप नहीं रह सकतीं: मद्रास हाईकोर्ट

● मद्रास हाईकोर्ट ने तिरुपत्तूर विधानसभा सीट से एक वोट से चुनाव जीतने वाले ञ्जङ्क्य विधायक सीनिवासा सेतुपति को फिलहाल फ्लोर टेस्ट में हिस्सा लेने से रोक दिया।

अदालत ने कहा कि जब किसी विवादित वोट से सरकार का भविष्य तय होने की स्थिति बन जाए तब संवैधानिक अदालतें मूकदर्शक नहीं रह सकतीं।

मद्रास हाईकोर्ट ने तिरुपत्तूर विधानसभा सीट से एक वोट से चुनाव जीतने वाले ञ्जङ्क्य विधायक सीनिवासा सेतुपति को फिलहाल फ्लोर टेस्ट में हिस्सा लेने से रोक दिया। अदालत ने कहा कि जब किसी विवादित वोट से सरकार का भविष्य तय होने की स्थिति बन जाए तब संवैधानिक अदालतें मूकदर्शक नहीं रह सकतीं। जस्टिस विक्टोरिया गौरी और जस्टिस एन. सेंथिलकुमार की अवकाशकालीन पीठ ने यह अंतरिम आदेश छ्रख्य उम्मीदवार पेरियाकरुप्पन की याचिका पर सुनवाई करते हुए पारित किया। याचिका में आरोप लगाया गया कि उनके पक्ष में पड़ा एक डाक मतपत्र गलती से समान नाम वाले दूसरे तिरुपत्तूर निर्वाचन क्षेत्र भेज दिया गया और बाद में उसे खारिज कर दिया गया। अदालत ने कहा, 'यह सिद्धांत कि चुनावी विवाद केवल चुनाव याचिका के जरिए ही उठाए जा सकते हैं। इसका अर्थ यह नहीं है कि संवैधानिक अदालतें तब भी चुप रहें, जब मामला केवल चुनाव की वैधता का नहीं बल्कि विवादित जनादेश के आधार पर सरकार के भविष्य का हो।' दरअसल एक्टर विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कड़गम को विधानसभा चुनाव में सबसे अधिक 108 सीटें मिलीं, लेकिन वह अपने दम पर बहुमत के आंकड़े 118 तक नहीं पहुंच सकी।

बाद में कांग्रेस, इंडियन मुस्लिम लीग, भाकपा, माकपा और ङ्कष्ट्य समेत कई दलों के समर्थन से सरकार बनाने का रास्ता साफ हुआ। सरकार को 13 मई को फ्लोर टेस्ट का सामना करना है। हाईकोर्ट ने कहा कि फ्लोर टेस्ट कोई सामान्य विधानसभा कार्यवाही नहीं होती बल्कि इससे सरकार का बने रहना या गिरना तय होता है। अदालत ने कहा कि यदि सीनिवासा सेतुपति को मतदान की अनुमति दी गई और उनका वोट निर्णायक साबित हुआ तो इसका असर केवल उनके निर्वाचन क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि पूरे राज्य की संवैधानिक व्यवस्था प्रभावित हो सकती है। अदालत ने कहा, 'यदि छठे प्रतिवादी का वोट सरकार के पक्ष या विपक्ष में निर्णायक बनता है तो इसके परिणाम राज्य के शासन तक पहुंच सकते हैं।' पीठ ने माना कि संवैधानिक निष्पक्षता बनाए रखने के लिए फिलहाल विधायक को फ्लोर टेस्ट में मतदान से रोकना जरूरी है। अदालत ने कहा कि इससे विधायक को कोई विशेष नुकसान नहीं होगा लेकिन यदि उन्हें वोट डालने दिया गया और बाद में वह वोट विवादित पाया गया तो चुनाव प्रक्रिया की शुचिता को बहाल करना कठिन हो सकता है। मामले में चुनाव आयोग और विजयी उम्मीदवार ने दलील दी थी कि संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत दाखिल याचिका सुनवाई योग्य नहीं है और चुनावी विवाद केवल चुनाव याचिका के जरिए उठाए जा सकते हैं। हालांकि, हाईकोर्ट ने कहा कि यह सामान्य चुनावी विवाद नहीं बल्कि असाधारण परिस्थितियों वाला मामला है। अदालत ने कहा कि जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 100 में ऐसी स्थिति की कल्पना नहीं की गई थी जहां एक निर्वाचन क्षेत्र का डाक मतपत्र दूसरे निर्वाचन क्षेत्र की मतगणना प्रक्रिया में पहुंच जाए और बिना किसी सुधारात्मक कदम के खारिज की जाए। अदालत ने यह भी कहा कि चुनाव अधिकारी केवल औपचारिक प्रक्रिया निभाने वाले कर्मचारी नहीं बल्कि संवैधानिक जिम्मेदारी निभाने वाले अधिकारी हैं, जिनका दायित्व है कि हर वैध वोट सही जगह पहुंचे और उसकी गणना हो। पीठ ने तिरुपत्तूर निर्वाचन क्षेत्र संख्या 50 के रिटर्निंग अधिकारी की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए। अदालत ने कहा कि अधिकारी को डाक मतपत्र को सीधे खारिज करने के बजाय उसे सही निर्वाचन क्षेत्र संख्या 185 तिरुपत्तूर के रिटर्निंग अधिकारी को भेजना चाहिए था। हाईकोर्ट ने मतगणना से जुड़े सभी रिकॉर्ड, डाक मतपत्र, खारिज मतपत्रों के लिफाफे, वीडियो फुटेज और अन्य दस्तावेज सुरक्षित रखने के निर्देश दिए हैं। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि यह आदेश पुनर्गणना, परिणाम रद्द करने या मतपत्रों को दोबारा खोलने के लिए नहीं है।

पत्नी की शिक्षा या कमाने की क्षमता के कारण गुजारा भत्ता देने से इन्कार नहीं कर सकते', इलाहाबाद हाई कोर्ट

●इलाहाबाद हाई कोर्ट ने कहा है कि पत्नी की शिक्षा या कमाने की क्षमता गुजारा भत्ता देने से इनकार का आधार नहीं है। कोर्ट ने आगरा फैमिली कोर्ट के एक मामले को नए सिरे से तय करने के लिए वापस भेजा, जिसमें पत्नी को 15 हजार रुपये गुजारा भत्ता दिया गया था।

प्रयागराज। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने कहा है कि पत्नी की शिक्षा अथवा उसके कमाने की क्षमता ही सीआरपीसी की धारा 125 के तहत उसे गुजारा भत्ता दिए जाने से इन्कार करने की वजह नहीं हो सकती। न्यायमूर्ति गरिमा प्रसाद की एकलपीठ ने इस टिप्पणी के साथ आगरा निवासी कोमल लखानी की याचिका स्वीकार करते हुए फैमिली कोर्ट को प्रकरण छह महीने में नए सिरे से तय करने के लिए वापस भेज दिया है। मुकदमे से जुड़े तथ्य यह हैं कि विनोद परियानी (गम्मटू) के साथ कोमल की शादी अगस्त 2014 में अहमदाबाद में सिख रीति से हुई थी। कुछ दिन में ही विवाद हो गया तो विनोद ने कोमल को घर से निकाल दिया। कोमल ने दहेज मांगे जाने की एफआइआर थाना रकातगंज में दर्ज कराई। फैमिली कोर्ट में केस चला। कोमल ने वर्ष 2015 में 25 हजार रुपये प्रतिमाह गुजारा भत्ता की मांग सीआरपीसी की धारा 125 में की। फैमिली कोर्ट ने मार्च 2022 में आदेश दिया कि पति हर महीने 15 हजार रुपये गुजारा भत्ता दे। कोमल ने इस आदेश को हाई कोर्ट में चुनौती दी। पीठ ने तथ्यों पर विचार करते हुए माना कि केस 2015 में दाखिल हुआ, लेकिन फैसला 10 साल बाद 2024 में आया। गुजारा भत्ता 14 मार्च 2022 से दिया, जबकि अर्जी पांच जनवरी 2015 की थी। कोर्ट ने इसे स्पष्ट रूप से गलत बताया। पति की कमाई और पत्नी के रहन-सहन को देखते हुए कहा कि 15 हजार रुपये 'उचित' नहीं है। पति आज तक का सारा बकाया 15 हजार रुपये प्रति महीने के हिसाब से तुरंत चुकाए और जब तक नई राशि तय न हो, तब तक हर महीने इतनी रकम देता रहे। पत्नी का कहना था कि विपक्षी ओवरसीज एजुकेशनल कंसल्टेंट है और कोचिंग संस्थान चलाता है। सालाना कमाई लगभग पांच करोड़ रुपये है। विपक्षी पति की तरफ से कहा गया कि जीईसी इंटरनेशनल स्टडी सेंटर साझेदारी फर्म है जिसमें उसकी खुद की हिस्सेदारी सिर्फ 25 प्रतिशत है। याची ने उसके परिवार के साथ क्रूर व्यवहार किया। शादी के बाद सिर्फ 20 दिन ही उसके साथ रही। पति के वकील ने कोर्ट में यह भी कहा कि याची एमबीए डिग्री धारक है और शादी से पहले कोटक महिंद्रा कंपनी और पुणे की मल्टीनेशनल कंपनी में नौकरी करती थी। उसने मेसर्स क्वेस कॉर्पोरेशन लिमिटेड में भी काम किया, जहां उसकी सालाना कमाई लगभग 3.36 लाख रुपये थी। उसकी क्षमता 50 हजार रुपये प्रति माह से ज्यादा कमाने की है।

यूपी के चकबंदी विभाग में बड़े पैमाने पर होंगे कर्मचारियों के तबादले

शासन को लिखा गया पत्र

लखनऊ। चकबंदी विभाग में तैनात कर्मचारियों के तबादले 15 जुलाई के बाद होंगे। चकबंदी आयुक्त डॉ. हृषिकेश भास्कर यशोद ने बताया कि प्रदेश के विभिन्न जिलों में प्रारंभिक चकबंदी योजना के पुष्टिकरण के उपरांत कब्जा परिवर्तन की कार्यवाही की जा रही है। इसलिए चकबंदी लेखपाल, सहायक चकबंदी अधिकारी, चकबंदी अधिकारी व अन्य कर्मियों के स्थानांतरण होने से कार्य प्रभावित हो सकता है। उन्होंने बताया कि 15 जुलाई तक चकबंदी का कार्य पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने बताया कि कर्मचारियों के तबादले को लेकर शासन को पत्र लिखा गया है। उल्लेखनीय है कि तबादला नीति के अनुसार 31 मई तक सभी विभागों में तबादले किए जाने हैं।

संक्षिप्त ख़बरें

बिहार की रणनीति पर उत्तर प्रदेश का रण सजाएगी भाजपा, अखिलेश यादव के दांव पर रख रही निगाह

नई दिल्ली। भाजपा ने हाल ही में विजय तो असम, बंगाल और पुडुचेरी में दर्ज की है, लेकिन उत्तर प्रदेश चुनाव की तैयारियों के लिए उसके रणनीतिकारों के दिमाग में बिहार विजय का माडल है। इन दोनों राज्यों में सरकार का स्वरूप भले ही अलग हो, लेकिन भाजपा मुख्य विपक्षी में करीब-करीब समानता देख रही है। यही कारण है कि जिस तरह बिहार के मतदाता को राजद का शासनकाल 'जंगलराज' के रूप में याद दिलाया, उसी तरह अब उत्तर प्रदेश में योगी शासनकाल से पहले सपा शासनकाल की ध्वस्त कानून व्यवस्था को मतदाताओं के सामने रखा जाएगा। इसके साथ ही 'कार्यकर्ता कनेक्ट' के लिए भी संगठन ने अपनी रणनीति पर काम शुरू कर दिया है।

उत्तर प्रदेश में अगले वर्ष विधानसभा चुनाव होने हैं। मुख्य विपक्षी समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव इस बार भी पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) की रणनीति पर चल रहे हैं। अपनी इसी रणनीति पर चलते हुए उन्होंने 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को करारा झटका दिया। अखिलेश के इस दांव पर भाजपा की निगाह है। वह उसकी काट का हरंसभव प्रयास भी करना चाहती है। इसकी झलक योगी मंत्रिमंडल के विस्तार में जातीय समीकरण साधने की जुगत के रूप में दिखा भी है। अब इसके बाद प्रदेश कार्यकारिणी के गठन में दिखना तय है। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी का कहना है कि लोकसभा चुनाव में संविधान के मुद्दे पर जनता को गुमराह किया गया, लेकिन इसके बाद कई राज्यों के हुए चुनावों में साफ हो गया कि जनता के सामने विपक्ष का सच आ चुका है। उनके अनुसार, अखिलेश पीडीए का दावा कर रहे हैं, जबकि हम जनता को यह बताने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे कि पिछड़ा हो, दलित हो या अल्पसंख्यक, मोदी-योगी सरकार ने इनके सहित सभी वर्गों के लिए काम किया है।

जमशेदपुर में ट्रिपल मर्डर, पत्नी-गर्भवती बेटी और बेटे की हत्या की

● झारखंड के जमशेदपुर में पति ने पत्नी, गर्भवती बेटी और बेटे की धारदार हथियार से हत्या कर दी. पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जांच शुरू कर दी है।

झारखंड की जमशेदपुर जिले से ट्रिपर मर्डर की वारदात सामने आई है. यहां एक पिता ने अपनी पत्नी, गर्भवती बेटी और बेटे की धारदार हथियार और हथौड़े से हत्या कर दी. घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई. सूचना मिलते ही सिद्धगोड़ा थाने की पुलिस मौका-ए-वारदात पर पहुंच गई. हैरान करने वाली बात यह है कि वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी भागने की बजाय घर पर ही बैठे रहा। जानकारी के अनुसार, ट्रिपल मर्डर की यह वारदात जमशेदपुर जिले के सिद्धगोड़ा थाना क्षेत्र के एग्रिको रोड नंबर 2 स्थित क्वार्टर संख्या एल-5/13 की है. मृतकों में टाटा स्टील के रिटायर्ड कर्मचारी रविंदर सिंह की लगभग 55 साल की पत्नी सरिता सिंह, उनका बेटा रवि सिंह और लगभग तीन माह की गर्ववती बेटी सुप्रिया सिंह शामिल है. मृतक सुप्रिया की शादी 6 महीने पहले ही हुई थी. स्थानीय लोगों के मुताबिक, इसी साल फरवरी में रविंद्र सिंह टाटा स्टील से रिटायर्ड हुए थे।

ट्रिपल मर्डर से फैली सनसनी

सोमवार सुबह करीब 6 बजे रविंद्र सिंह ने अपनी बेटी, बेटे और पत्नी की दर्दनाक तरीके से हत्या कर दी. आश्चर्यजनक बात यह है कि ट्रिपल मर्डर की घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी रविंद्र सिंह भागने के बजाय घर में ही बैठे रहा. सुबह काफी देर होने के बाद भी रविंद्र सिंह के घर में कोई हलचल नहीं होने पर पड़ोसियों को स्थिति कुछ संदिग्ध लगी. उन्होंने अंदर जाकर देखा कि वह हैरान रह गए।

किचन में पड़ था पत्नी का शव

रविंद्र सिंह के क्वार्टर में चोरों तरफ खून ही खून फैला हुआ था. साथ ही वहां परिवार के सदस्यों की लाशें पड़ी थीं. पड़ोसियों की सूचना पर सिद्धगोड़ा थाने की पुलिस मौके पर पहुंच गई और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है. मौके पर पहुंची स्नस्रुकी टीम ने सभी सबूतों को एकत्रित करने के बाद तीनों शवों पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. बेटा-बेटी का शव अलग-अलग कमरे में, जबकि पत्नी का शव किचन में खून से लथपथ पड़ा था।

आरोपी ने पूछताछ में क्या बताया?

पुलिस इस मामले में पारिवारिक कलह, विवाद या फिर आरोपी के किसी मानसिक बीमारी से ग्रसित होने के चलते वारदात को अंजाम देने के पहलुओं पर जांच कर रही है. पुलिस की पूछताछ रविंद्र सिंह ने बताया कि वह मानसिक रूप से अस्वस्थ हैं, और उसने मानसिक बीमारी के कारण ही इस घटना को अंजाम दिया. हालांकि, पुलिस अभी बाकी सभी एंगल पर भी जांच कर रही है। इस ट्रिपल मर्डर की घटना से एग्रिको इलाके में दहशत का माहौल है. स्थानीय लोग भी इस घटना को लेकर चिंतित नजर आ रहे हैं।

कल्याणपुर में महिला ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

कानपुर। थाना कल्याणपुर पुलिस को दिनांक 10.05.2026 को प्रातः लगभग 10:00 बजे सूचना प्राप्त हुई कि रिया कमल नामक महिला द्वारा आत्महत्या का प्रयास किया गया है। सूचना मिलते ही पुलिस तत्काल मौके पर पहुँची, जहाँ महिला फांसी के फंदे से लटकी हुई मिली। उस समय महिला अचेत अवस्था में थी, जिसे पुलिस द्वारा तत्काल नीचे उतारकर उपचार हेतु अस्पताल में भर्ती कराया गया। उपचार के दौरान चिकित्सकों द्वारा देर शाम महिला को मृत घोषित कर दिया गया। महिला अपने पति एवं अन्य परिजनों के साथ घर में रहती थी। वर्तमान में पुलिस द्वारा शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्यवाही पूर्ण कर पोस्टमार्टम हेतु भेजा जा रहा है। प्रथम दृष्टया जांच में पति-पत्नी के बीच घरेलू विवाद का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार, परसों शाम तथा घटना वाले दिन सुबह भी दोनों के बीच विवाद हुआ था। फिलहाल पुलिस द्वारा मामले की गहन जांच की जा रही है। जांच एवं अन्य तथ्यों के आधार पर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

बंगाल चुनाव में मिली हार के बाद TMC में आंतरिक कलह तेज, अनन्या बनर्जी ने लगाया उपेक्षा का आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोलकाता। विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस की हार के बाद पार्टी में विरोध के स्वर दिन-ब-दिन तेज हो रहे हैं। अब अभिनेत्री व तृणमूल पार्षद अनन्या बनर्जी ने मुंह खोला है। उन्होंने कहा कि जनता परिवर्तन चाहती थी इसलिए पार्टी का ऐसा हश्र हुआ। चुनाव प्रचार के दौरान उन्हें इसका आभास हो गया था। अनन्या ने पार्टी में अपने साथ अन्याय होने का आरोप लगाते हुए कहा कि वह पिछले 10 साल से पार्षद हैं।

उन्होंने पार्टी के लिए मन लगाकर काम किया लेकिन इतने वर्षों में कभी उनकी पदोन्नति नहीं की गई। उन्हें अपनी समस्याएं रखने के लिए कभी कोई मंच प्रदान नहीं किया गया। इससे पहले तृणमूल पार्षद सुब्रत बंद्योपाध्याय ने पार्टी सांसद सुदीप बंद्योपाध्याय पर निशाना साधते हुए कहा था कि वे चुनाव के नतीजे आने के बाद डरकर भागे पार्टी कार्यकर्ताओं को वापस लाने का प्रयास करने के बजाय घर पर बैठे हुए हैं। वहीं तृणमूल के निलंबित प्रवक्ता ऋजु दत्ता ने आरोप लगाया था कि पंचायत से लेकर नगर निकायों तक के पार्टी नेताओं ने आम लोगों से जमकर वसूली की। घर का नक्शा पास कराने से लेकर कमोड लगाने तक के लिए पैसे देने पड़ते थे। दत्ता ने आगे कहा था कि केवल 1,500 रुपये देकर महिलाओं का सम्मान नहीं खरीदा जा सकता। भाजपा की जीत के बाद कोलकाता की सड़कों पर ऐसा माहौल है, जैसे भारत पाकिस्तान से मैच जीत गया हो। दूसरी तरफ अभिनेता दिगंत बागची ने आर्टिस्ट फोरम के सह कोषाध्यक्ष के पद से इस्तीफा दे दिया है। सूत्रों ने बताया कि दिगंत पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के करीबी माने जाते हैं। गत विधानसभा चुनाव में उन्हें तृणमूल के लिए प्रचार करते भी देखा गया था। दिगंत ने कहा कि उन्होंने अपने विवेक के आधार पर यह निर्णय लिया है। किसी के दबाव में आकर इस्तीफा नहीं दिया है।

भाजपाइयों से सोना दान करने की अपील करें पीएम

» प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने प्रधानमंत्री मोदी की सोना न खरीदने और पेट्रोल-डीजल कम इस्तेमाल करने की अपील पर निशाना साधा है।

लखनऊ। प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय ने सोना न खरीदने, पेट्रोल व डीजल की कमी को लेकर भाजपा को घेरा है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बयान पर तीखी टिप्पणी की है। कहा है कि शादियों का समय चल रहा है और प्रधानमंत्री नागरिकों से अपील कर रहे हैं वे सोना न खरीदें। उन्होंने कहा कि 1962 में भारत-चीन युद्ध के दौरान जब देश गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रहा था तो तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अपना 336 ग्राम सोना राष्ट्रीय कोष में दान किया था। इसलिए प्रधानमंत्री को नागरिकों से सोना न खरीदने की अपील करने की बजाय पहले भाजपाइयों से कहें कि वह राष्ट्रीय कोष में सोना दान दें। प्रधानमंत्री ने बीते दिन गुजरात में नागरिकों से अपील की थी कि अगले एक वर्ष तक सोना न खरीदें। पेट्रोल-डीजल की कम खपत करें और कम से कम विदेश यात्रा करें। इस संदर्भ में सोमवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में उन्होंने पत्रकारों से कहा कि प्रधानमंत्री के बयान से लग रहा है कि देश गंभीर वित्तीय संकट की स्थिति से गुजर रहा है। इसलिए नागरिकों से पेट्रोल-डीजल की कम खपत करने की अपील करने से पहले प्रधानमंत्री को अपने काफिले में गाड़ियों की संख्या कम करनी चाहिए। रविवार को उत्तर प्रदेश में मंत्रिमंडल में विस्तार कर सरकार ने और खर्च बढ़ा दिया है।उन्होंने कहा कि करीब 70 दिनों से ईरान और इजरायल का युद्ध चल रहा है, लेकिन पांच राज्यों के चुनाव समाप्त होने के बाद प्रधानमंत्री को पेट्रोल-डीजल की कमी की याद आई है।

बेटे को साथ ले गया पिता, रात में घर से मिली दोनों की लाश

● हरियाणा के फरीदाबाद जिले में परिवार से हुए विवाद के बाद पिता ने मासूम बेटे की हत्या कर खुद की भी जिंदगी खत्म कर ली है. पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हरियाणा के फरीदाबाद जिले के दयालपुर गांव से एक दिल दहला वाली घटना सामने आ आई है. यहां एक पिता ने पहले अपने पांच साल के बेटे की हत्या की और फिर खुद भी फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. घटना के बाद जानकारी होते ही पूरे गांव में हड़कंप मच गया. सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची सदर थाना पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. साथ ही मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस को दी शिकायत में दयालपुर गांव निवासी रूपचंद ने बताया कि उसके दो बेटे हैं। बड़ा बेटा भारत अविवाहित है, जबकि छोटा बेटा सागर शादीशुदा था. सागर की पत्नी सपना और उनका पांच साल का बेटा रक्षित था. रूपचंद के अनुसार, सागर अक्सर परिवार के साथ झगड़ा करता था और मारपीट भी करता था. इससे परेशान होकर परिवार करीब एक साल से मच्छगर गांव में किराये के मकान में रहने लगा था, जबकि सागर दयालपुर में अकेला रहता था।

फंदे पर लटका मिला सागर

रविवार सुबह सागर मच्छगर पहुंचा और घर में किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया. इसके बाद वह अपने बेटे रक्षित को अपने साथ दयालपुर ले गया. देर शाम तक जब वह बच्चे को वापस नहीं लाया और फोन भी नहीं उठाया तो परिवार के लोग उसके घर पहुंचे. घर का मुख्य गेट अंदर से बंद था। पड़ोसियों की मदद से घर में प्रवेश किया गया और कमरे का दरवाजा तोड़कर देखा तो सागर फंदे पर लटका हुआ था और बच्चा उसके साथ बंधा हुआ मिला. पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पहले बेटे का दबाया गला फिर लगा ली फांसी

एक साथ दो मौतों से दयालपुर गांव में सनसनी फैल गई. तुरंत पुलिस को घटना की जानकारी दी गई. जिसके बाद सदर थाने पुलिसकर्मी मौके पर पहुंच गए. इसके बाद स्नस्रु की टीम को भी गांव में बुलाया गया। सभी जरूरी सबूतों को एकत्रित करने के बाद दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया. पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी. शुरूआती जांच में सामने आया है कि सागर ने पहले बेटे की गला दबाकर हत्या की और फिर खुद फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली. पुलिस इस मामले में मर्डर और सुसाइड दोनों ही एंगल पर जांच कर रही है।

आगरा- लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर बस ने पीछे से मारी ट्रक को टक्कर कई घायल, तीन गंभीर

कानपुर। प्रातः लगभग 5:00 से 05:30 बजे के बीच थाना अरौल क्षेत्र में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर यूपीडा के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई कि एक बस एवं ट्रक का सड़क दुर्घटना में एक्सीडेंट हो गया है। दुर्घटना के विषय में जानकारी देते हुए पुलिस उपायुक्त पश्चिम, एस.एम. कासिम आबिदी ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस तत्काल मौके पर पहुँची। मौके पर पाया गया कि एक डबल डेकर प्राइवेट बस, जो पटना से दिल्ली की ओर जा रही थी, ने आगे चल रहे ट्रक को पीछे से टक्कर मार दी। प्रारंभिक जांच में प्रतीत हुआ कि ओवरटेक के दौरान बस चालक को नींद आने के कारण यह दुर्घटना हुई, जिससे ट्रक भी अनियंत्रित होकर पलट गया। दुर्घटना में कई यात्री घायल हो गए, जिन्हें तत्काल प्राथमिक उपचार हेतु सीएचसी बिल्हौर भेजा गया। इनमें से तीन घायलों की हालत गंभीर होने पर उन्हें उपचार हेतु लाला लाजपत राय अस्पताल (हैलट अस्पताल) रेफर किया गया। उपचार के दौरान दो यात्रियों की मृत्यु हो गई, जबकि एक घायल का उपचार जारी है। अन्य यात्रियों को प्राथमिक उपचार के उपरांत उनके गंतव्य के लिए रवाना कर दिया गया। दुर्घटना के कारण कुछ समय के लिए यातायात बाधित हुआ था, जिसे पुलिस एवं हाइड्रा की सहायता से वाहन हटवाकर सुचारु करा दिया गया।

नर्सों का योगदान और विश्व स्वास्थ्य का भविष्य

मानवता की सेवा और उपचार की प्रक्रिया में नर्सों का योगदान अतुलनीय है। प्रत्येक वर्ष 12 मई को संपूर्ण विश्व अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस मनाता है। यह दिवस केवल एक तिथि नहीं है बल्कि उस समर्पण और करुणा का सम्मान है जो नर्सें बिना किसी स्वार्थ के समाज को प्रदान करती हैं। इस विशेष दिवस का आयोजन आधुनिक नर्सिंग की संस्थापक फ्लोरेंस नाइटिंगेल की जयंती के उपलक्ष्य में किया जाता है। 1820 में जन्मी फ्लोरेंस नाइटिंगेल ने नर्सिंग को एक पेशेवर और सम्मानित स्वरूप प्रदान किया। क्रीमिया युद्ध के दौरान उन्होंने रात के अंधेरे में हाथ में लालटेन लेकर घायल सैनिकों की जिस प्रकार सेवा की उसने उन्हें लेडी विद द लैंप की उपाधि दी। उन्होंने यह सिद्ध किया कि चिकित्सा केवल औषधियों का खेल नहीं है बल्कि इसमें स्वच्छता, सहानुभूति और निरंतर देखभाल का भी उतना ही महत्व है। वर्ष 2026 के लिए इस दिवस की विषयवस्तु हमारी नर्सें, हमारा भविष्य, सशक्त नर्सें जीवन बचाती हैं निर्धारित की गई है। यह विषयवस्तु इस बात की ओर संकेत करती है कि भविष्य की स्वास्थ्य व्यवस्था को सुरक्षित बनाने के लिए नर्सों का सशक्तिकरण अनिवार्य है। नर्सिंग सेवा का विस्तार केवल चिकित्सालयों की दीवारों तक सीमित नहीं है। यह एक ऐसी व्यवस्था है जो व्यक्ति के जन्म से लेकर जीवन के अंतिम क्षणों तक उसके साथ बनी रहती है। स्वास्थ्य प्रणाली में नर्सों की भूमिका एक सेतु के समान है जो चिकित्सक और रोगी के मध्य संवाद और उपचार को सुगम बनाती है। किसी भी आपदा या आपातकाल की स्थिति में नर्सें ही सबसे अग्रिम पंक्ति में खड़ी नजर आती हैं। यदि हम वैश्विक आंकड़ों पर दृष्टि डालें तो विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट यह स्पष्ट करती है कि स्वास्थ्य क्षेत्र के कुल कार्यबल का लगभग 50 प्रतिशत हिस्सा नर्सों और दाइयों का है। इसके बावजूद वैश्विक स्तर पर नर्सों की भारी कमी देखी जा रही है। अनुमान है कि वर्ष 2030 तक दुनिया भर में स्वास्थ्य सेवाओं को सुचारू रूप से चलाने के लिए लगभग 60 लाख अतिरिक्त नर्सों की आवश्यकता होगी। यह आंकड़ा हमें सचेत करता है कि यदि समय रहते इस क्षेत्र में निवेश नहीं किया गया तो भविष्य में स्वास्थ्य प्रणालियाँ लड़खड़ा सकती हैं। भारत जैसे सघन जनसंख्या वाले देश में नर्सों का उत्तरदायित्व और भी अधिक बढ़ जाता है। भारतीय नर्सिंग परिषद के आंकड़ों के अनुसार देश में पंजीकृत नर्सों की संख्या लाखों में है परंतु प्रति 1000 जनसंख्या पर नर्सों की उपलब्धता अभी भी वैश्विक मानकों से कम है। ग्रामीण क्षेत्रों में जहाँ विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी है वहाँ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों की पूरी जिम्मेदारी नर्सों के कंधों पर होती है। वे न केवल प्रसव संबंधी सेवाएं प्रदान करती हैं बल्कि टीकाकरण अभियानों, संक्रामक रोगों के नियंत्रण और पोषण संबंधी जागरूकता फैलाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। मातृ मृत्यु दर और शिशु मृत्यु दर को कम करने के भारत के राष्ट्रीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में नर्सों का योगदान सबसे महत्वपूर्ण रहा है। वे समाज के सबसे निचले स्तर तक पहुँचकर स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाती हैं। हाल के वर्षों में वैश्विक महामारी कोविड 19 ने संपूर्ण विश्व को नर्सों की वास्तविक शक्ति से परिचित कराया। जब पूरा विश्व भयभीत होकर घरों में बंद था तब नर्सें बिना अपनी जान की परवाह किए संक्रमित मरीजों की सेवा कर रही थीं। पीपीई किट पहनकर घंटों बिना भोजन और जल के काम करना उनके अदम्य साहस का परिचायक था। उस कठिन समय में नर्सों ने न केवल शारीरिक उपचार किया बल्कि एकांतवास में रह रहे मरीजों को मानसिक संबल भी प्रदान किया। कई नर्सों ने इस सेवा के दौरान अपने प्राणों की

आहुति दे दी जो उनके व्यवसाय के प्रति सर्वोच्च बलिदान को दर्शाता है। इस महामारी ने यह पाठ पढ़ाया कि किसी भी देश की सुरक्षा केवल उसकी सीमाओं पर नहीं बल्कि उसके स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे और उसके समर्पित स्वास्थ्य कर्मियों के हाथों में भी सुरक्षित है। वर्तमान परिदृश्य में नर्सिंग के क्षेत्र में कई चुनौतियां भी विद्यमान हैं जिन्हें संबोधित करना अत्यंत आवश्यक है। नर्सों को अक्सर लंबे समय तक कार्य करना पड़ता है जिससे उनके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। कई स्थानों पर उन्हें उचित वेतन और सुविधाएं प्राप्त नहीं होती हैं। कार्यस्थल पर सुरक्षा का अभाव और तनावपूर्ण वातावरण उनके प्रदर्शन को प्रभावित करता है। इसके अतिरिक्त नर्सिंग को आज भी समाज के कुछ वर्गों में केवल एक सहायक कार्य के रूप में देखा जाता है जबकि वास्तव में यह एक उच्च कौशल वाला पेशेवर कार्य है। नर्सों को निर्णय लेने की प्रक्रियाओं और नीति निर्माण में पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं मिलता है। वर्ष 2026 की विषयवस्तु इसी अंतर को पाटने का आह्वान करती है। सशक्त नर्सों का अर्थ है उन्हें उन्नत प्रशिक्षण देना, उन्हें नेतृत्व के अवसर प्रदान करना और उनके कार्य की गरिमा को पहचानना। शिक्षा और तकनीक के विकास ने नर्सिंग के स्वरूप को भी बदला है। आज की नर्सें केवल सहायता प्रदान नहीं करतीं बल्कि वे आधुनिक चिकित्सा उपकरणों के संचालन, जटिल उपचार प्रक्रियाओं और शोध कार्यों में भी निपुण हैं। डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं और टेलीमेडिसिन के युग में नर्सों की भूमिका और भी तकनीकी हो गई है। वे डेटा प्रबंधन और रोगियों की निरंतर निगरानी के लिए उन्नत प्रणालियों का उपयोग कर रही हैं। नर्सिंग शिक्षा के पाठ्यक्रम को वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाने की आवश्यकता है ताकि नर्सें किसी भी प्रकार की स्वास्थ्य चुनौती का सामना करने में सक्षम हो सकें। शोध कार्यों में नर्सों की भागीदारी चिकित्सा के क्षेत्र में नए दृष्टिकोण विकसित करने में सहायक सिद्ध हो सकती है। समाज के रूप में हमारा यह कर्तव्य है कि हम नर्सों के प्रति अपने दृष्टिकोण में सकारात्मक परिवर्तन लाएं। उनके प्रति कृतज्ञता केवल एक दिन के उत्सव तक सीमित नहीं होनी चाहिए। उनके लिए अनुकूल कार्य वातावरण सुनिश्चित करना, उनकी समस्याओं को सुनना और उन्हें सम्मानजनक जीवन स्तर प्रदान करना सरकार और समाज दोनों की सामूहिक जिम्मेदारी है। यदि हम नर्सों के प्रशिक्षण और भर्ती में निवेश करते हैं तो इसके परिणाम स्वरूप स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार होगा और आर्थिक विकास को भी गति मिलेगी क्योंकि एक स्वस्थ समाज ही प्रगतिशील राष्ट्र का निर्माण कर सकता है। फ्लोरेंस नाइटिंगेल ने एक बार कहा था कि नर्सिंग एक कला है और यदि इसे कला बनाना है तो इसके लिए वैसी ही अनन्य भक्ति और कठोर तैयारी की आवश्यकता होती है जैसा कि किसी चित्रकार या मूर्तिकार के कार्य के लिए होती है। उनकी यह बात आज भी उतनी ही प्रासंगिक है। आज की नर्सें न केवल उपचार करती हैं बल्कि वे मानवता की रक्षक भी हैं। 12 मई का यह दिन हमें उनके उन हजारों घंटों की याद दिलाता है जो उन्होंने दूसरों के दुखों को कम करने में बिताए हैं। यह दिन हमें याद दिलाता है कि एक नर्स की मुस्कान और धैर्य कई बार सबसे महंगी औषधि से भी अधिक प्रभावी सिद्ध होता है। निष्कर्षतः यह कहा जा सकता है कि नर्सिंग सेवा किसी भी राष्ट्र की स्वास्थ्य प्रणाली की रीढ़ है। वर्ष 2026 में जब हम इस दिवस को मनाते हैं तो हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम नर्सों के सशक्तिकरण के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। हमें ऐसी नीतियों की आवश्यकता है जो नर्सिंग क्षेत्र में आने वाले युवाओं को प्रोत्साहित करें और वर्तमान नर्सों को उनकी योग्यता के अनुरूप सम्मान और स्थान दिलाएं। जब हम कहते हैं कि सशक्त नर्सें जीवन बचाती हैं तो इसका अर्थ केवल एक नारा नहीं है बल्कि यह एक वैज्ञानिक तथ्य है। एक सशक्त और संतुष्ट नर्स ही सर्वोत्तम उपचार प्रदान कर सकती है। आइए इस अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस पर हम उन सभी नर्सों को नमन करें जो अंधकार में प्रकाश की किरण बनकर मरीजों के जीवन को रोशन कर रही हैं और एक स्वस्थ सुरक्षित भविष्य की नींव रख रही हैं। उनकी सेवा और त्याग ही वह ऊर्जा है जो चिकित्सा जगत को निरंतर गति प्रदान करती है।

महेन्द्र तिवारी

अनाज के ढेर पर बैठी भूखी दुनिया: विकास मॉडल की सबसे भयावह सच्चाई

[उत्पादन की अराजक दौड़ ने लिया भोजन, मिट्टी, पानी और हमारा भविष्य]
[भोजन की बर्बादी बनाम भूख की आग: पृथ्वी को खोखला कर रही हमारी लालच]

सभ्यता की चकाचौंध के बीच दुनिया एक खामोश त्रासदी जी रही है। खेतों में रिकॉर्ड अनाज उग रहा है, खाद्य कंपनियां लगातार विस्तार कर रही हैं और बाजार रंग-बिरंगे पैकेटों से भरे पड़े हैं, फिर भी करोड़ों लोग भूख की यातना सहने को मजबूर हैं। यह केवल आर्थिक विषमता नहीं, बल्कि विकास के खोखले मॉडल की सबसे बड़ी हार है। अधिक उत्पादन की लालसा ने जंगल उजाड़े, जलस्रोत खत्म किए और मिट्टी की जीवनशक्ति घटा दी। अब प्रकृति भी उसी विनाश का जवाब दे रही है। कहीं लू फसलें झुलसा रही है तो कहीं बाढ़ महीनों की मेहनत बहा ले जाती है। भूख और पर्यावरण विनाश का यह दुष्चक्र अब इतना भयावह हो चुका है कि यदि इसे समय रहते नहीं तोड़ा गया, तो आने वाला दौर मानव इतिहास का सबसे अंधकारमय अध्याय बन सकता है। मानव सभ्यता की सबसे भयावह तस्वीर आज आंकड़ों में कैद दिखाई देती है। वर्ष 2025 में लगभग 266 मिलियन लोग तीव्र खाद्य असुरक्षा से जूझ रहे थे, जबकि संयुक्त राष्ट्र के अनुसार 673 मिलियन लोग लगातार भूख का सामना कर रहे हैं। अफ्रीका में हर पांचवां व्यक्ति भोजन संकट में जी रहा है। 35.5 मिलियन बच्चे कुपोषण के शिकार हैं और करीब 10 मिलियन गंभीर स्थिति में हैं। सबसे दर्दनाक तथ्य यह है कि दुनिया की अधिकांश भूख केवल 10 देशों में सिमट चुकी है। यह केवल भोजन की कमी नहीं, बल्कि वैश्विक व्यवस्था की विफलता का प्रमाण है। युद्ध, आर्थिक संकट, बेरोजगारी और जलवायु आपदाएं मिलकर भूख को ऐसा हथियार बना चुकी हैं, जो इंसानी अस्तित्व को भीतर से तोड़ रहा है। अब भूख किसी गरीब राष्ट्र की समस्या नहीं, बल्कि असंतुलित वैश्विक विकास का सबसे भयावह चेहरा बन चुकी है। मानवता को भोजन देने वाली व्यवस्था अब पृथ्वी के विनाश का बड़ा कारण बन चुकी है। वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का लगभग 26 प्रतिशत हिस्सा खाद्य प्रणाली से आता है। कृषि अकेले पृथ्वी की आधी रहने योग्य भूमि और 70 प्रतिशत मीठे पानी का उपयोग करती है। वर्ष 2022 में एग्रीफूड सिस्टम ने करीब 16.2 बिलियन टन कार्बन डाइऑक्साइड समकक्ष उत्सर्जन किया था। पशुपालन से निकलने वाली मीथेन, रासायनिक उर्वरकों से पैदा नाइट्रस ऑक्साइड और जंगलों की कटाई से बढ़ती कार्बन डाइऑक्साइड धरती को लगातार गर्म कर रही हैं। तापमान में हर अतिरिक्त डिग्री वृद्धि प्रति व्यक्ति लगभग 120 कैलोरी प्रतिदिन घटा देती है। यानी अधिक उत्पादन की दौड़ ही भविष्य का भोजन निगल रही है। बदलता जलवायु चक्र अब भूख को और भयावह बना रहा है। मौसम अब अनुमान नहीं, भय का विषय बन चुका है। कहीं महीनों तक बारिश नहीं होती तो कहीं कुछ घंटों की वर्षा पूरी खेती बहा ले जाती है। लू, सूखा, चक्रवात और बाढ़ लगातार फसलों को नष्ट कर रहे हैं। विशेषज्ञों के अनुसार अमीर देशों में 41 प्रतिशत और गरीब देशों में 28 प्रतिशत तक उपज क्षमता घट सकती है। सबसे बड़ा संकट छोटे किसानों पर है, जिनके पास न आधुनिक तकनीक, न बीमा और न पर्याप्त संसाधन हैं। कई संघर्षग्रस्त क्षेत्रों में भूख को हथियार बनाया जा रहा है। यदि यही स्थिति रही, तो वर्ष 2030 तक लगभग 512 मिलियन लोग भूख की चपेट में आ सकते हैं। पर्यावरण विनाश और भूख अब एक ही संकट के दो चेहरे हैं। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि एक ओर करोड़ों लोग भूखे सोते हैं, वहीं दूसरी ओर भोजन कूड़े में फेंक दिया जाता है। दुनिया में उत्पादित भोजन का लगभग एक-तिहाई हिस्सा बर्बाद हो जाता है। यह अपव्यय 8-10 प्रतिशत उत्सर्जन के बराबर है। अमीर देशों की थालियों से फेंका गया भोजन गरीब देशों के बच्चों की भूख बनता है। उधर मिट्टी की उर्वरता घट रही है, भूजल स्तर गिर रहा है और जैव विविधता खत्म हो रही है। रासायनिक खेती ने उत्पादन बढ़ाया लेकिन मिट्टी कमजोर की। अब टिकाऊ विकल्प जरूरी हैं। यदि दुनिया को इस संकट से निकलना है, तो भोजन को व्यापार नहीं, मानव अस्तित्व की जिम्मेदारी मानना होगा। अन्यथा भूख का यह संकट वैश्विक स्थिरता तोड़ देगा। विनाश के बढ़ते साये में रिजनरेटिव कृषि सबसे बड़ी आशा बन चुकी है। यह केवल खेती की तकनीक नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ संतुलन की नई राह है। कवर क्रॉपिंग, फसल चक्रण, नो-टिल फार्मिंग, एग्रोफॉरेस्ट्री और प्रिसीजन फार्मिंग मिट्टी को फिर जीवंत बना रही हैं। स्वस्थ मिट्टी अधिक कार्बन सोखती है, कम पानी में बेहतर उत्पादन देती है और जलवायु संकट झेलने की क्षमता बढ़ाती है। माइक्रोबियल इनोकुलेशन और विविध फसल प्रणाली जैव विविधता मजबूत कर रही हैं। क्लाइमेट-स्मार्ट कृषि छोटे किसानों को मौसम पूर्वानुमान, सटीक सिंचाई और बेहतर बाजार से जोड़ रही है। शोध बताते हैं कि सूखे में भी रिजनरेटिव खेत पारंपरिक खेतों से अधिक उत्पादक रहे। यह संकेत है कि प्रकृति के साथ चलने वाली खेती केवल भोजन नहीं, भविष्य भी बचा सकती है। समाधान केवल नई तकनीकों से नहीं निकलेगा, जब तक नीतियों और सामाजिक सोच में बदलाव नहीं आता। सरकारों को पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाली सब्सिडी खत्म करनी होंगी और टिकाऊ कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देना होगा। अंतरराष्ट्रीय सहयोग, हरित कृषि कोष और तकनीकी ज्ञान का साझा उपयोग गरीब देशों को नई दिशा दे सकता है। उपभोक्ताओं की भूमिका भी बेहद महत्वपूर्ण है। भोजन की बर्बादी रोकना, स्थानीय पौष्टिक आहार अपनाना और अनावश्यक उपभोग घटाना समय की सबसे बड़ी जरूरत बन चुका है। साहसिक कदमों से 2030 तक भूख काफी नियंत्रित हो सकती है और जलवायु लक्ष्य भी हासिल किए जा सकते हैं। यह संघर्ष केवल खेतों में नहीं, बल्कि हमारी आदतों, नीतियों और प्राथमिकताओं में भी लड़ा जाएगा। धरती का भविष्य आज मानवता के फैसलों के कटघरे में खड़ा है। एक ओर अधिक उत्पादन की अंधी दौड़ है, जो प्रकृति को नष्ट कर मानवता को भूख की ओर धकेल रही है। दूसरी ओर संतुलन और सतत विकास का मार्ग है, जहां भोजन और पर्यावरण साथ चलते हैं। ग्लोबल हंगर का नया चेहरा चेतावनी दे रहा है कि समय तेजी से खत्म हो रहा है। यदि हमने अब भी सोच नहीं बदली, तो आने वाली पीढ़ियां हरियाली को केवल किताबों में देखेंगी। लेकिन यदि दुनिया ने साहस दिखाया, तो यही संकट इतिहास का बड़ा परिवर्तन बन सकता है। आज का निर्णय तय करेगा कि भविष्य हमें विनाशकारी पीढ़ी कहेगा या वह पीढ़ी, जिसने भूख और पर्यावरण विनाश का घातक चक्र तोड़ दिया।

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'

प्रधानमंत्री की अपील के पीछे क्या है मायने....

संपादक/लेखक: राजीव शुक्ला

पश्चिम एशिया संकट और वैश्विक ऊर्जा संकट के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 10 मई को सिकंदराबाद में जनसभा को संबोधित करते हुए देशवासियों से संयम और त्याग की अपील की। पेट्रोल-डीजल, गैस का संयमित उपयोग, एक साल तक शादियों-समारोहों में सोना न खरीदना, वर्क फ्रॉम होम अपनाना, कारपूलिंग और सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल–ये अपीलें महज सलाह नहीं, बल्कि राष्ट्रीय संकट की घड़ी में आर्थिक सुरक्षा का मंत्र हैं। इस अपील के पीछे मुख्य मायने विदेशी मुद्रा भंडार की सुरक्षा और आयात पर निर्भरता कम करना है। भारत दुनिया का बड़ा तेल आयातक है। हॉर्मुज जलडमरूमध्य पर तनाव और युद्ध की वजह से कच्चे तेल की कीमतें आसमान छू रही हैं। इससे मुद्रास्फीति बढ़ने, व्यापार संतुलन बिगड़ने और आम आदमी पर बोझ बढ़ने का खतरा है। पीएम मोदी ने स्पष्ट कहा कि आयातित पेट्रो उत्पादों का इस्तेमाल सिर्फ जरूरत के अनुसार करना होगा, जिससे विदेशी मुद्रा बचेगी और युद्ध के दुष्प्रभाव कम होंगे। सोने की खरीद पर एक साल का संयम विदेशी मुद्रा के बहाव को रोकने की दिशा में बड़ा कदम है। सोना भारत का दूसरा सबसे बड़ा आयात है, जो विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव डालता है। प्रधानमंत्री ने याद दिलाया कि पहले लोग देश के लिए सोना दान करते थे, अब कम से कम न खरीदकर राष्ट्रहित में योगदान दे सकते हैं।

आर्थिक और सामरिक दूरदर्शिता: ये अपीलें आत्मनिर्भर भारत और ऊर्जा सुरक्षा की दिशा में हैं। कोविड काल की आदतें–वर्चुअल मीटिंग, वर्क फ्रॉम होम–फिर से अपनाकर ईंधन बचाया जा सकता है। स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा, प्राकृतिक खेती और सौर ऊर्जा जैसी दीर्घकालिक रणनीतियों के साथ यह व्यक्तिगत त्याग राष्ट्र की सामूहिक ताकत बढ़ाएगा। प्रधानमंत्री की अपील 'देश पहले' के मंत्र को व्यावहारिक रूप देती है। जब विश्व संकट झेल रहा हो तो हर नागरिक की छोटी-छोटी बचत बड़ी ताकत बन सकती है। यह न सिर्फ आर्थिक चुनौती से निपटने का रास्ता है, बल्कि राष्ट्र निर्माण और सामूहिक जिम्मेदारी की भावना जगाने का भी अवसर है। समय है कि हम इन अपीलों को संकल्प में बदलें।

जहां नारियों का सम्मान वहां देवताओं का वास

राष्ट्र निर्माण की शक्तिशाली ऊर्जा भारतीय नारियां

हमारे शास्त्रों में स्पष्ट कहा गया है कि यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता: अर्थात जहां नारियों का सम्मान होता है वहां देवताओं का वास होता है। भारत की शिक्षित एवं आत्मनिर्भर नारियां आज केवल परिवार की आधारशिला नहीं बल्कि राष्ट्र निर्माण की सबसे शक्तिशाली ऊर्जा बन चुकी हैं। समय के परिवर्तन ने यह सिद्ध कर दिया है कि किसी भी देश की वास्तविक प्रगति तब तक संभव नहीं हो सकती जब तक उसकी आधी आबादी शिक्षित, सशक्त और आत्मनिर्भर न हो। भारतीय संस्कृति में नारी को आदिकाल से पूजनीय माना गया है किंतु विडंबना यह रही कि लंबे समय तक पुरुष प्रधान व्यवस्था ने नारी को केवल घर की सीमाओं तक सीमित कर दिया। स्वामी विवेकानंद ने कहा था– 'किसी राष्ट्र की प्रगति का सर्वोत्तम मापदंड वहां की महिलाओं की स्थिति होती है।' नारी को सम्मान तो दिया गया, पर स्वतंत्रता और अवसर नहीं दिए गए। परिणामस्वरूप समाज का विकास एकांगी होकर रह गया। अब परिस्थितियां बदल रही हैं। आज भारत में बेटी के जन्म पर मातम नहीं बल्कि उत्सव मनाया जाने लगा है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार भारत में महिला साक्षरता दर निरंतर बढ़ रही है और उच्च शिक्षा में भी लड़कियों की भागीदारी कई क्षेत्रों में लड़कों के बराबर पहुंच चुकी है। शिक्षा मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार विश्वविद्यालयों में छात्राओं की भागीदारी लगभग 49 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है, जो भारतीय समाज में एक सकारात्मक परिवर्तन का संकेत है।' महात्मा गांधी ने कहा था यदि आप एक पुरुष को शिक्षित करते हैं तो केवल एक व्यक्ति शिक्षित होता है, किंतु यदि आप एक स्त्री को शिक्षित करते हैं तो पूरा परिवार शिक्षित हो जाता है।' यह कथन आज पूरी तरह सत्य सिद्ध हो रहा है। शिक्षित महिलाएं केवल अपने जीवन को नहीं बल्कि आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को भी उज्ज्वल बनाती हैं। आज भारत की महिलाएं विज्ञान, राजनीति, प्रशासन, सेना, खेल, न्यायपालिका, अंतरिक्ष और व्यापार सहित हर क्षेत्र में अपने सामर्थ्य का परचम लहरा रही हैं। भारतीय वायुसेना में लड़ाकू विमान उड़ाने वाली बेटियां, सीमा पर देश की रक्षा करती महिला सैनिक, चंद्रयान और मंगलयान मिशन में योगदान देती वैज्ञानिक महिलाएं तथा ओलंपिक और विश्व प्रतियोगिताओं में तिरंगा फहराती खिलाड़ी यह प्रमाणित करती हैं कि भारतीय नारी किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से कम नहीं है। कल्पना चावला ने अंतरिक्ष में भारत का गौरव बढ़ाया, पी. वी. सिंधु और साइना नेहवाल ने विश्व बैडमिंटन में भारत की पहचान बनाई, मैरी कॉम ने संघर्ष और साहस की मिसाल प्रस्तुत की, जबकि साक्षी मलिक और फोगाट बहनों ने कुश्ती जैसे कठिन खेल में विश्व पटल पर भारत को सम्मान दिलाया। आज भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जी देश की महिलाओं के लिए प्रेरणा का प्रतीक हैं। उन्होंने यह सिद्ध किया कि भारत की बेटी अब राष्ट्र के सर्वोच्च पद तक पहुंच सकती है। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने विश्व राजनीति में अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति से भारत की पहचान मजबूत की थी। इसी प्रकार वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण तथा अनेक महिला मंत्री आज देश की नीतियों को दिशा दे रही हैं। आज भारत इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्राचीन भारत में भी नारी शिक्षा का गौरवशाली इतिहास रहा है। वेदों और उपनिषदों में गार्गी, मैत्रेयी, अनुसूया और सावित्री जैसी विदुषी नारियों का उल्लेख मिलता है जिन्होंने ज्ञान और दर्शन के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई। मंडन मिश्र की पत्नी भारती ने आदि शंकराचार्य जैसे महान दार्शनिक से शास्त्रार्थ कर अपनी विद्वता का परिचय दिया था। इससे स्पष्ट होता है कि भारतीय परंपरा में नारी केवल गृहस्थ जीवन तक सीमित नहीं थी बल्कि ज्ञान और चिंतन की धुरी भी थी। बाद के समय में बाल विवाह, पर्दा प्रथा और अशिक्षा जैसी कुप्रथाओं ने महिलाओं के विकास को बाधित किया।

संजीव ठाकुर

दैनिक राशिफल

मेष– आज आत्मविश्वास बढ़ा रहेगा। नौकरी और व्यापार में नए अवसर मिल सकते हैं। परिवार में किसी शुभ समाचार से खुशी का माहौल रहेगा। खर्चों पर नियंत्रण रखें। **शुभ रंग:** लाल **शुभ अंक:** 9

वृषभ–धैर्य और समझदारी से काम लेने का दिन है। रुका हुआ धन मिलने की संभावना है। प्रेम संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। सेहत को लेकर लापरवाही न करें। **शुभ रंग:** सफेद **शुभ अंक:** 6

मिथुन–कार्यक्षेत्र में आपकी प्रतिभा की सराहना होगी। विद्यार्थियों के लिए दिन अनुकूल रहेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। यात्रा के योग बन सकते हैं। **शुभ रंग:** हरा **शुभ अंक:** 5

कर्क– भावनाओं में बहकर निर्णय न लें। परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है। **शुभ रंग:** सिल्वर **शुभ अंक:** 2

सिंह–आज मान-सम्मान में वृद्धि होगी। नौकरी में पदोन्नति या नई जिम्मेदारी मिल सकती है। व्यापार में लाभ के संकेत हैं। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। **शुभ रंग:** सुनहरा **शुभ अंक:** 1

कन्या–कामकाज में व्यस्तता अधिक रहेगी लेकिन मेहनत सफल होगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी पुराने विवाद का समाधान निकल सकता है। **शुभ रंग:** नीला **शुभ अंक:** 7

तुला– आज का दिन संतुलन बनाए रखने का है। प्रेम जीवन अच्छा रहेगा। कला और रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। धन लाभ के योग हैं। **शुभ रंग:** गुलाबी **शुभ अंक:** 6

वृश्चिक– गुप्त शत्रुओं से सावधान रहें। कार्यक्षेत्र में सतर्कता जरूरी है। परिवार का सहयोग मिलेगा। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। **शुभ रंग:** मैरून **शुभ अंक:** 8

धनु– भाग्य का साथ मिलेगा। नौकरी और व्यापार में प्रगति के योग हैं। विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिल सकती है। यात्रा लाभदायक रहेगी। **शुभ रंग:** पीला **शुभ** अंक: 3

मकर– आर्थिक मामलों में सोच-समझकर निर्णय लें। कार्यक्षेत्र में वरिष्ठों का सहयोग मिलेगा। घर में सुख-शांति बनी रहेगी। **शुभ रंग:** ग्रे **शुभ अंक:** 4

कुंभ– नई योजनाओं पर काम शुरू कर सकते हैं। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। दोस्तों के साथ अच्छा समय बीतेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। **शुभ रंग:** आसमानी **शुभ** अंक: 11

मीन– आज मन आध्यात्मिक कार्यों में लगेगा। आर्थिक लाभ के संकेत हैं। परिवार में खुशहाली रहेगी। किसी खास व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है। **शुभ रंग:** बैंगनी **शुभ अंक:** 12

एक्सप्रेस-वे पर अभी चलना भी सिखाना होगा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल में गंगा एक्सप्रेस- वे और दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस- वे का उद्घाटन किया। ये एक्यप्रेस-वे भारत के विकास के नए द्वार हैं। भारत की धरती पर आज कंक्रीट और कोलतार के जो आधुनिक गलियारे बिछ रहे हैं, वे केवल सड़क मात्र नहीं हैं, बल्कि एक महत्वाकांक्षी राष्ट्र की धमनियां हैं। एक्सप्रेस-वे का निर्माण इक्कीसवीं सदी के भारत की वह पहचान है जो समय और दूरी को बौना साबित कर रही है। लेकिन इस भौतिक प्रगति के समानांतर एक कड़वी सच्चाई यह भी है कि हम जितनी तेजी से रफ्तार के बुनियादी ढांचे तैयार कर रहे हैं, उतनी ही तेजी से हम सड़क अनुशासन के मोर्चे पर पिछड़ते जा रहे हैं। एक्सप्रेस-वे बनाना तो इंजीनियरिंग का कमाल है, लेकिन उन पर सुरक्षित तरीके से चलना सिखाना एक सामाजिक और मनोवैज्ञानिक चुनौती है। यदि हम केवल पत्थर और डामर बिछाते रहे और नागरिक बोध को विकसित करना भूल गए, तो ये शानदार मार्ग विकास के पथ नहीं, बल्कि काल के गाल बन जाएंगे। सड़क हादसों के आंकड़े आज किसी महामारी से कम डरावने नहीं हैं। सरकारी आंकड़ों और विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार, भारत में हर साल लगभग 1.5 लाख से अधिक लोग सड़क दुर्घटनाओं में अपनी जान गंवाते हैं। इसका अर्थ यह है कि हर घंटे लगभग 17 से 20 मौतें सड़कों पर हो रही हैं। एक्सप्रेस-वे पर होने वाली दुर्घटनाओं की प्रकृति और भी भयावह है क्योंकि यहाँ वाहनों की गति सामान्य सड़कों से कहीं अधिक होती है। तीव्र गति पर होने वाली एक छोटी सी चूक भी जानलेवा साबित होती है। हालिया आंकड़ों के मुताबिक, एक्सप्रेस-वे पर होने वाली 70 प्रतिशत से अधिक दुर्घटनाओं का कारण 'ओवरस्पीडिंग' यानी निर्धारित सीमा से अधिक गति से वाहन चलाना है। इसके अलावा, गलत दिशा में वाहन चलाना और अचानक लेन बदलना ऐसे कारण हैं जिन्होंने इन आधुनिक मार्गों को असुरक्षित बना दिया है। एक्सप्रेसवे पर केवल अधिकतम गति ही नहीं, बल्कि न्यूनतम गति का पालन भी जरूरी है। धीमी गति से चल रहे वाहन तेज़ रफ्तार वाहनों के लिए अवरोध बन जाते हैं, जिससे टक्कर की संभावना बढ़ जाती है। एक्सप्रेस-वे पर चलने की संस्कृति विकसित करने के लिए सबसे पहले 'लेन अनुशासन' को समझना अनिवार्य है। हमारे देश में एक आम धारणा है कि सड़क का हर कोना हमारा है, लेकिन एक्सप्रेस-वे इस मानसिकता की अनुमति नहीं देता। यहाँ सबसे बाईं ओर की लेन भारी वाहनों और धीमी गति के लिए होती है, जबकि सबसे दाहिनी लेन केवल 'ओवरटेकिंग' के लिए आरक्षित होती है। अक्सर देखा जाता है कि लोग दाहिनी लेन को ही अपनी स्थायी जगह मान लेते हैं, जिससे पीछे से आने वाले तेज रफ्तार वाहनों को रास्ता नहीं मिलता और वे मजबूरन गलत दिशा से ओवरटेक करने की कोशिश करते हैं। यह स्थिति सीधे तौर पर मौत को आमंत्रण देने जैसी है। लोगों को यह सिखाना होगा कि ओवरटेक करने के बाद वापस अपनी निर्धारित लेन में आना तकनीकी जरूरत ही नहीं, बल्कि जीवन बचाने की शर्त है। हाल ही में माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने सड़क सुरक्षा और दुर्घटनाओं को लेकर अत्यंत गंभीर टिप्पणी की है। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि तेज गति से वाहन चलाना केवल यातायात नियमों का उल्लंघन नहीं है, बल्कि यह दूसरों के जीवन के अधिकार का हनन भी है। सुप्रीम कोर्ट ने विभिन्न फैसलों में जोर दिया है कि सड़कों की डिजाइनिंग में खामियों को दूर करना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी है नियमों का सख्ती से पालन कराना। न्यायालय ने राज्य सरकारों और सड़क प्राधिकरणों को निर्देश दिया है कि एक्सप्रेस-वे पर 'ब्लैक स्पॉट्स' (जहां बार-बार दुर्घटनाएं होती हैं) की पहचान की जाए और उन्हें तुरंत सुधारा जाए। कोर्ट का यह रुख स्पष्ट करता है कि अब प्रशासन केवल चालान काटकर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला नहीं झाड़ सकता, उसे सुरक्षित सफर सुनिश्चित करने के लिए जवाबदेह होना पड़ेगा। सुरक्षित ड्राइविंग का एक और महत्वपूर्ण पहलू 'टायर और वाहन की स्थिति' है। एक्सप्रेस-वे पर लंबी दूरी तक तेज गति से वाहन चलाने पर टायरों के भीतर की हवा गर्म होकर फैलती है। यदि टायर पुराने हैं या उनमें हवा का दबाव सही नहीं है, तो उनके फटने की संभावना बढ़ जाती है। बहुत कम लोग जानते हैं कि एक्सप्रेस-वे पर चलने से पहले टायरों की जांच करना उतना ही जरूरी है जितना पेट्रोल भरवाना। इसके साथ ही 'हाइवे हिप्नोसिस' जैसी स्थिति से भी लोगों को आगाह करना आवश्यक है। लंबी, सीधी और बिना किसी बाधा वाली सड़क पर लगातार गाड़ी चलाते समय ड्राइवर का मस्तिष्क एक प्रकार की अर्ध-निद्रा या शून्यता की स्थिति में चला जाता है। इससे बचने के लिए हर दो-तीन घंटे में छोटा विश्राम लेना और वाहन से बाहर निकलकर शरीर को गति देना अनिवार्य है। शिक्षा और जागरूकता के स्तर पर हमें स्कूलों से ही शुरुआत करनी होगी। सड़क सुरक्षा को केवल एक पाठ्यपुस्तक का अध्याय नहीं, बल्कि जीवन कौशल के रूप में सिखाया जाना चाहिए। जब तक एक चालक यह महसूस नहीं करेगा कि उसके पीछे वाली सीट पर बैठा परिवार या सामने से आ रहा अजनबी भी किसी के घर का चिराग है, तब तक कोई भी तकनीक हादसों को नहीं रोक सकती। तकनीक की बात करें तो 'इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम' (ITMS) का विस्तार करना होगा। हर कुछ किलोमीटर पर स्पीड कैमरे और रडार होने चाहिए जो नियम तोड़ने वालों को तत्काल संदेश भेजें। लेकिन दंड से अधिक महत्वपूर्ण 'बोध' है। लोगों को यह समझाना होगा कि 120 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार रोमांच तो दे सकती है, लेकिन वह गलती सुधारने का मौका नहीं देती। एक्सप्रेस-वे पर एक और बड़ी समस्या आवारा पशुओं और पैदल चलने वालों की है। यद्यपि एक्सप्रेस-वे को पूरी तरह 'एक्सेस कंट्रोल्ड' बनाया जाता है, लेकिन अक्सर बाड़ या फेंसिंग को काटकर लोग और पशु अंदर आ जाते हैं। यहाँ प्रशासन की जिम्मेदारी बनती है कि वह निरंतर गश्त और मजबूत फेंसिंग सुनिश्चित करे। साथ ही, आस-पास के गांवों के लोगों को यह समझाना होगा कि इन सड़कों पर पैदल चलना या जानवर चराना आत्मघाती कदम है। सड़क सुरक्षा केवल ड्राइवर की नहीं, बल्कि समाज के हर उस व्यक्ति की जिम्मेदारी है जो उस बुनियादी ढांचे का हिस्सा है। एक्सप्रेस-वे हमारे विकसित होते भारत के गौरव हैं। गंगा एक्सप्रेस- वे और दिल्ली- देहरादून एक्सप्रेस-वे,दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे हो या पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे, ये हमारी प्रगति के सूचक हैं। लेकिन इस प्रगति को पूर्ण तभी माना जाएगा जब इन पर चलने वाला हर व्यक्ति सुरक्षित अपने गंतव्य तक पहुंचे। हमें अपनी ड्राइविंग की आदतों में बदलाव लाना होगा। सीट बेल्ट बांधना, मोबाइल का प्रयोग न करना, शराब पीकर गाड़ी न चलाना और लेन का पालन करना–ये बहुत छोटी बातें लग सकती हैं, लेकिन ये ही जीवन और मृत्यु के बीच की पतली लकीर हैं। सड़क पर आपकी सुरक्षा आपके हाथ में है, और आपकी समझदारी में ही पूरे समाज का हित है। आधुनिक भारत की इन तेज रफ्तार सड़कों को सुरक्षित सफर की मिसाल बनाना भी सरकार के साथ प्रत्येक वाहन चालक की जिम्मेदारी है।

अशोक मधुप

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोट:**–उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.N.I NO. UPHIN/2009/34814 मो0 नं0 –9511151254,E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त खबरें

स्व गणना अभियान के तहत विशेष जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन संपन्न

रायबरेली:- जनपद रायबरेली स्थित जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (DIET) रायबरेली में जनगणना 2027 के अंतर्गत 7 मई से 21 मई तक संचालित स्व-गणना अभियान के तहत एक विशेष जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में संस्थागत प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रतिभागियों, निजी संस्थाओं के प्रतिनिधियों तथा विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्व-गणना की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। प्रशिक्षण के दौरान उपस्थित सभी प्रतिभागियों को ऑनलाइन स्व-गणना पोर्टल के माध्यम से स्वयं की स्व-गणना करने हेतु प्रेरित किया गया तथा कई प्रतिभागियों द्वारा मौके पर ही अपनी स्व-गणना पूर्ण की गई। विशेषज्ञ प्रशिक्षकों द्वारा बताया गया कि जनगणना 2027 देश के विकास, योजनाओं के निर्माण एवं संसाधनों के उचित वितरण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम में यह भी अवगत कराया गया कि उत्तर प्रदेश में स्व-गणना की सुविधा 7 मई 2026 से 21 मई 2026 तक उपलब्ध है, जिसके माध्यम से नागरिक स्वयं ऑनलाइन अपनी जानकारी दर्ज कर सकते हैं। अधिकारियों ने उपस्थित प्रतिभागियों से अपील की कि वे स्वयं स्व-गणना करने के साथ-साथ अपने परिवार, परिचितों एवं समाज के अन्य लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करें, ताकि जनगणना 2027 को सफल एवं त्रुटिरहित बनाया जा सके।

आयुष्मान भारत योजना में उत्तर प्रदेश देश में प्रथम स्थान पर

जनपद रायबरेली प्रदेश में 17वें स्थान पर

रायबरेली: आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत जनपद रायबरेली में निर्धारित लक्ष्य 342150 (परिवार) के सापेक्ष वर्तमान तक 310892 परिवारों के 90.86 प्रतिशत आयुष्मान कार्ड बना लिए गए है तथा जनपद में 1481761 लाभार्थियों के सापेक्ष वर्तमान 922535 लाभार्थियों के 62.26 प्रतिशत आयुष्मान कार्ड बना लिए गये है। अपर मुख्य सचिव, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण,उ0प्र0 शासन के 03 अप्रैल,2026 के पत्र के क्रम में जनपद रायबरेली आयुष्मान कार्ड निर्गत करने में प्रदेश में *17वें* पायदान पर है। जनपद रायबरेली ने उक्त रैंक मुख्य चिकित्साधिकारी रायबरेली डॉ0 नवीन चंद्र के कुशल निर्देशन में प्राप्त किया है। जनपद रायबरेली आशा, आंगनवाडी कार्यकत्री, आंगनवाडी सहायिका, 70+ वर्ष या उससे अधिक आयु के लाभार्थियों एवं जीरो पावर्टी योजना में जनपद रायबरेली प्रदेश स्तर पर क्रमशः *10वें, 20वें, 20वें, 19वें एवं 17वें* पायदान पर है। जनपद में आयुष्मान भारत-प्रधानमन्त्री जन आरोग्य योजना के नोडल अधिकारी डॉ0 अशोक कुमार (उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी) द्वारा अवगत कराया गया कि आयुष्मान कार्ड अब लाभार्थी स्वयं से ही बना सकते हैं जिसके क्रम में लाभार्थियों को प्ले स्टोर पर उपलब्ध आयुष्मान ऐप (Ayushman App) को डाउनलोड करके या फिर www. beneficiary. nha. gov. in पर लाभार्थी अपने आधार से लिंक मोबाइल नंबर लॉगिन कर खुद से beneficiary ऑप्शन से आयुष्मान कार्ड बना सकते हैं। जनपद में शेष बचे 559226 लाभार्थियों के आयुष्मान कार्ड बनाये जाने हेतु विशेष कैंप लगाये जा रहे है, जिसमे ए0एन0एम0, सी0एच0ओ0, आयुष्मान मित्रों, पंचायक सहायक, कोटेदार, आशा, संगिनी एवं अन्य के माध्यम से लाभार्थियों को बुलाकर आयुष्मान कार्ड जनपद के समस्त सरकारी अस्पतालों में एवं जिला अस्पताल पुरुष/महिला में बनाये जा रहे है। जनपद के समस्त आयुष्मान लाभार्थी कृपया उपरोक्त जानकारी हेतु अपने निकटतम सरकारी चिकित्सालय में सम्पर्क करें जिससे योजना हेतु लाभ प्राप्त कर सकें।

एसपी ने बड़बोले इंस्पेक्टर को किया लाईन हाजिर

प्रतापगढ़। पुलिस विभाग की छवि धूमिल करने वाले महेशगंज प्रभारी निरीक्षक राधे बाबू को पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर ने तत्काल प्रभाव से लाईन हाजिर करते हुए सीओ सदर को जांच सौंपी है।महेशगंज थाना के एसएचओ राधे बाबू पर आरोप है कि उन्होंने फोन पर जातिसूचक अभद्र टिप्पणी किया है। पैदल हो गए इंस्पेक्टर राधे बाबू ने एक प्रकरण में ब्राह्मणों को लेकर अभद्र टिप्पणी की थी, जिसका ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था।लाईन हाजिर इंस्पेक्टर उत्साह में इलाके के ब्राह्मणों को अनपढ़ कह डाला था,जिसके बाद बड़बोले इंस्पेक्टर का विरोध शुरू हो गया और कार्रवाई की मांग तेज हो गई।एसपी ने रविवार देर शाम तक इंस्पेक्टर को लाईन हाजिर करते हुए अग्रिम विभागीय जांच सीओ सदर को सौंपा है।

मलिहाबाद में शराब दुकान के सेल्समैन की हत्या, आरोपी गिरफ्तार, क्षेत्र में अवैध शराब बिक्री के आरोपों से मचा हड़कंप

● .....मलिहाबाद में दबंग ने ठेके के बाहर रिंकू जायसवाल को उतारा मौत के घाट, आरोपी मौके से फरार।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ– जनपद के मलिहाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम ढेढ़मऊ में सोमवार को उस समय सनसनी फैल गई, जब देशी शराब की दुकान पर तैनात एक सेल्समैन की हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान रिंकू के रूप में हुई है, जो गांव स्थित देशी शराब की दुकान पर कार्य करता था। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत और आक्रोश का माहौल देखने को मिला। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 11 मई 2026 को गांव की देशी शराब दुकान पर किसी बात को लेकर विवाद हो गया। आरोप है कि नन्हके कहार नामक व्यक्ति ने सेल्समैन रिंकू पर हमला कर दिया। हमले में गंभीर रूप से घायल रिंकू की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। सूचना मिलते ही थाना मलिहाबाद पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं कुछ ही घंटे बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ़्तार भी कर लिया और पूछ ताछ जारी है। घटना के बाद गांव में तनाव की स्थिति को देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि हत्या के पीछे के वास्तविक कारणों की जांच की जा रही है। वहीं दूसरी ओर स्थानीय ग्रामीणों ने शराब दुकानों के संचालन को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में देशी और अंग्रेजी शराब की दुकानों पर नियमों के विपरीत 24 घंटे शराब की बिक्री की जाती है। आरोप यह भी लगाया गया है कि राघवेंद्र सिंह द्वारा अवैध रूप से कैंटीन का संचालन किया जा रहा है, जहां देर रात तक शराब परोसी जाती है। ग्रामीणों के मुताबिक रात करीब 12 बजे तक खुलेआम शराब बेची जाती है, जिससे क्षेत्र का माहौल खराब हो रहा है। ग्रामीणों ने आबकारी विभाग और प्रशासन पर भी सवाल उठाए हैं। लोगों का कहना है कि कई बार शिकायतों के बावजूद अवैध शराब बिक्री पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। अब हत्या की इस घटना के बाद ग्रामीणों में प्रशासन के प्रति नाराजगी बढ़ती दिखाई दे रही है। पुलिस का कहना है कि हत्या के मामले में हर पहलू की जांच की जा रही है। साथ ही शराब दुकानों के संचालन और आबकारी नियमों के उल्लंघन संबंधी शिकायतों की जानकारी आबकारी विभाग को भी भेजी जाएगी। फिलहाल पुलिस गांव में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगातार निगरानी कर रही है। मलिहाबाद में आबकारी विभाग की बड़ी लापरवाही ! नियमों को ताक पर रख सुबह से देर रात तक बिक रही शराब, वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल,हत्या के बाद ग्रामीणों का फूटा गुस्सा मलिहाबाद क्षेत्र में आबकारी विभाग की कथित लापरवाही अब जानलेवा साबित होती नजर आ रही है। क्षेत्र के कई देशी शराब, कम्पोजिट और मॉडल शॉप पर नियमों की अनदेखी कर सुबह तड़के से ही शराब बिक्री का आरोप लग रहा है। ढेढमऊ गांव स्थित देशी शराब की दुकान पर शराब को लेकर हुए विवाद में सेल्समैन अजय जायसवाल की हत्या के बाद ग्रामीणों में भारी आक्रोश देखने को मिल रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि मलिहाबाद क्षेत्र में कई शराब दुकानों पर निर्धारित समय से पहले और देर रात तक खुलेआम शराब बेची जा रही है। आरोप है कि सुबह छह बजे से ही शराब बिक्री शुरू हो जाती है और देर रात तक शराबियों को आसानी से शराब उपलब्ध रहती है। ढेढमऊ गांव की कम्पोजिट शराब दुकान के बगल में चल रही कथित अवैध कैंटीन पर भी दिन-रात शराब बेचने के आरोप लगे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि आबकारी विभाग को पूरे मामले की जानकारी होने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि दो दिन पूर्व आबकारी निरीक्षक द्वारा की गई छापेमारी केवल खानापूर्ति बनकर रह गई और अवैध बिक्री पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। ग्रामीणों के मुताबिक मलिहाबाद चौराहे पर स्थित देशी शराब ठेका, महमूदनगर और बदौरा गांव की शराब दुकानों सहित कई स्थानों पर खुलेआम नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। लोगों का कहना है कि अवैध तरीके से शराब बिक्री का वीडियो सोशल मीडिया पर भी तेजी से वायरल हो रहा है, जिसके बाद आबकारी विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। हत्या की घटना के बाद अब ग्रामीण आबकारी विभाग के अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते अवैध शराब बिक्री पर सख्ती की गई होती तो शायद इतनी बड़ी घटना नहीं होती। पूरे मामले को लेकर क्षेत्र में चर्चा और नाराजगी का माहौल बना हुआ है।

मलिहाबाद में चुनावी रंजिश और दबंगई, दावत में प्रधान ने ग्रामीण को पीटा

● कट्टा तानकर दी जान से मारने की धमकी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ के मलिहाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम बिराहिमपुर में बीती रात एक दावत के दौरान उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब वर्तमान प्रधान रामशंकर ने गांव के ही नरेश पुत्र चंद्रपाल के साथ हिंसक व्यवहार किया। पीड़ित के अनुसार, जब उसने प्रधान द्वारा दी जा रही गालियों का विरोध किया, तो प्रधान ने उसे जमीन पर गिराकर बुरी तरह पीटा और अवैध कट्टा तानकर जान से मारने की धमकी दी। जान बचाकर भागे पीड़ित का आरोप है कि प्रधान ने उसे पुलिस के पास जाने पर झोपड़ी में घुसकर हत्या करने की चेतावनी भी दी है। डरे-सहमे पीड़ित ने मलिहाबाद कोतवाली में तहरीर देकर सुरक्षा की गुहार लगाते हुए आरोपी प्रधान के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्यवाही की मांग की है।

रास्ता भटके बुजुर्ग को सकुशल परिजनों से मिलाकर पुलिस ने निभाई मानवीय जिम्मेदारी

कानपुर। पीआरबी 8186 को सूचना प्राप्त हुई कि एक बुजुर्ग व्यक्ति कल्याणपुर क्रॉसिंग के पास रास्ता भटक गए हैं तथा अपने घर का पता नहीं बता पा रहे हैं। सूचना पर उ0नि0 अंकित चौकी इंदिरा नगर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची एवं पूछताछ/स्थानीय जानकारी के आधार पर बुजुर्ग राम प्रवेश सिंह (उम्र लगभग 75 वर्ष) निवासी नई बस्ती अशोक नगर, गोवा गार्डन, कल्याणपुर को सकुशल उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया। परिजनों द्वारा पुलिस की त्वरित एवं मानवीय कार्यवाही की सराहना कर धन्यवाद व्यक्त किया गया।

दो पक्षों में हुई जमकर मारपीट पुलिस ने दोनों पक्षों से कुल 11 लोगों पर दर्ज किया मुकदमा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चंदापुर/रायबरेली: थाना क्षेत्र के ग्राम समरेहदा में एक निमंत्रण समारोह के दौरान दो पक्षों के बीच कहासुनी ने हिंसक रूप ले लिया। गाली-गलौज के बाद दोनों पक्षों में जमकर मारपीट हुई, जिससे गांव में देर रात अफरा-तफरी का माहौल बन गया। पुलिस ने मामले में दोनों पक्षों के कुल 11 लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आपको बता दें कि, पुलिस के अनुसार घटना 10 मई 2026 की रात करीब 11:30 बजे ग्राम समरेहदा में हुई। बताया जाता है कि, गांव में ही एक निमंत्रण कार्यक्रम के दौरान मामूली विवाद को लेकर पहले कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई। दोनों पक्षों के लोगों ने एक-दूसरे के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए हाथापाई की। घटना की सूचना पुलिस को 11 मई दिन सोमवार को दी गई, जिसके बाद थाना चंदापुर में मुकदमा पंजीकृत किया गया। इस मामले में पुलिस ने मु0अ0सं0 0030/2026 के तहत बीएनएस की धारा 115(2), 352 एवं 191(2) में मुकदमा दर्ज किया है। प्रथम पक्ष से राजन मौर्य, श्रीकांत, श्यामबिहारी, शुभम, सुजीत और आनंद निवासी ग्राम समरेहदा को नामजद किया गया है। वहीं द्वितीय पक्ष से पप्पू सिंह उर्फ रणधीर सिंह, स्वप्निल सिंह, अंकुर सिंह, नितिन तथा अर्पित के खिलाफ भी रिपोर्ट दर्ज की गई है। थाना चंदापुर पुलिस का कहना है कि, मामले की जांच की जा रही है तथा घटना में शामिल सभी आरोपियों की भूमिका के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। गांव में तनाव को देखते हुए पुलिस सतर्कता बरत रही है।

चन्द्रशेखर प्रजापति को मिला 'भाषाविद् डॉ. सुंदर लाल राठौर सम्मान'

● क्षेत्र में खुशी की लहर, शुभचिंतकों ने दी शुभकामनाएं

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिधौली। संघर्ष, समर्पण और सतत परिश्रम कभी व्यर्थ नहीं जाते। देर-सबेर मेहनत अपनी पहचान स्वयं बना लेती है। इस सत्य को साकार कर दिखाया है सिधौली तहसील क्षेत्र के ग्राम सरौरा खुर्द निवासी युवा साहित्यप्रेमी एवं जनपक्षधर पत्रकार चन्द्रशेखर प्रजापति ने, जिन्हें उनके उत्कृष्ट लेखन, प्रभावशाली अभिव्यक्ति और सामाजिक सरोकारों से जुड़ी पत्रकारिता के लिए प्रतिष्ठित 'भाषाविद् डॉ. सुंदर लाल राठौर सम्मान' से सम्मानित किया गया। सिधौली स्थित बंशीवाला रेस्टोरेंट में आयोजित एक गरिमामयी समारोह में सैकड़ों साहित्यकारों, शिक्षाविदों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और बुद्धिजीवियों की उपस्थिति में यह सम्मान प्रदान किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सीतापुर सांसद राकेश राठौर ने अपने करकमलों से डॉ चन्द्रशेखर प्रजापति को सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्हें अंगवस्त्र, स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति देकर सम्मानित किया गया। विशेष बात यह रही कि इस सम्मान को प्राप्त करने वाले प्रथम व्यक्तित्व बनने का गौरव भी चन्द्रशेखर प्रजापति को हासिल हुआ। चन्द्रशेखर प्रजापति लंबे समय से अपनी सहज, मनमोहक एवं प्रभावशाली सम्बोधन शैली के लिए पहचाने जाते हैं। उनकी लेखनी केवल शब्दों का संयोजन नहीं, बल्कि समाज के आम जनमानस की पीड़ा, संघर्ष और उम्मीदों की आवाज मानी जाती है। उन्होंने पत्रकारिता को केवल सूचना का माध्यम न मानकर जनभावनाओं और सामाजिक चेतना को अभिव्यक्त करने का सशक्त मंच बनाया है। यही कारण है कि उनके लेखन में गांव, किसान, युवा, शिक्षा, सामाजिक विषमताएं और जनसमस्याएं प्रमुखता से दिखाई देती हैं। कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान समय में निष्पक्ष एवं जनहित आधारित पत्रकारिता दुर्लभ होती जा रही है, ऐसे दौर में चन्द्रशेखर प्रजापति जैसे युवा लेखक और पत्रकार समाज के लिए प्रेरणा हैं। उन्होंने अपनी मेहनत, व्यवहार कुशलता और सृजनशीलता के बल पर एक अलग पहचान बनाई है। बताते चलें कि डॉ चन्द्रशेखर प्रजापति को इससे पूर्व भी अनेक उपलब्धियां प्राप्त हो चुकी हैं। उन्हें हिन्दी विद्यापीठ, भागलपुर (बिहार) द्वारा विद्या वाचस्पति (Ph.D.) डॉक्टरेट मानद उपाधि से सम्मानित किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त स्वच्छता जागरूकता अभियान में उल्लेखनीय योगदान के लिए जिलाधिकारी सीतापुर द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया था। सामाजिक चेतना और साहित्यिक अभिरुचि के क्षेत्र में उनकी सक्रियता लगातार चर्चा का विषय बनी हुई है। सम्मान समारोह के दौरान क्षेत्र के अनेक प्रतिष्ठित लोगों ने उन्हें शुभकामनाएं एवं बधाई दी। इनमें पूर्व आईए प्रशिक्षक डॉ. गंगाप्रसाद शर्मा 'गुणशेखर', कामरेड डॉ. ब्रज बिहारी, शिक्षाविद् आर. डी. वर्मा, साहित्यकार डॉ. देवेंद्र कश्यप 'निडर', सुनीला रावत, रोशनी गुप्ता, संजय राठौर, राहुल सिंह, दीन मोहम्मद, पिंकी अरविंद प्रजापति सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे। समारोह का वातावरण साहित्यिक गरिमा, सामाजिक चेतना और सम्मान भाव से ओतप्रोत दिखाई दिया। उपस्थित लोगों ने आशा व्यक्त की कि चन्द्रशेखर प्रजापति भविष्य में भी अपनी लेखनी के माध्यम से समाज को सकारात्मक दिशा देने का कार्य करते रहेंगे तथा युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा बनेंगे। आज जब समाज को संवेदनशील सोच और निष्पक्ष अभिव्यक्ति की आवश्यकता है, ऐसे समय में चन्द्रशेखर प्रजापति को मिला यह सम्मान केवल एक व्यक्ति का सम्मान नहीं, बल्कि जनसरोकारों से जुड़ी विचारशील पत्रकारिता और साहित्यिक चेतना का सम्मान माना जा रहा है।

सीताग्रुप ऑफ एजूकेशन में 'सुपर-40' के मेधावियों का सम्मान

● अभिभावकों को मिला सफलता का मंत्र

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महमूदाबाद– सीतापुर प्रतिस्पर्धा के इस युग में बच्चों को शुरुआत से ही प्रतियोगी परीक्षाओं के अनुकूल ढालना अनिवार्य है। इसी विजन के साथ सीता ग्रुप ऑफ एजूकेशन में संचालित 'सुपर-41' और 'सुपर सेक्शंस' विद्यार्थियों के भविष्य की नींव मजबूत कर रहे हैं। यह विचार संस्था के चेयरमैन आर.के. वाजपेयी ने शास्त्री सभागार में आयोजित अभिभावक-शिक्षक बैठक (PTM) के दौरान व्यक्त किए। चेयरमैन रमेश कुमार वाजपेयी ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी विद्यार्थी की सफलता शिक्षक और अभिभावक के आपसी समन्वय पर टिकी होती है। उन्होंने अभिभावकों से विशेष अपील की कि वे घर पर बच्चों की शैक्षणिक गतिविधियों पर पैनी नजर रखें। बच्चों द्वारा मोबाइल का उपयोग सीमित किया जाए ताकि अध्ययन की एकाग्रता बनी रहे। घर पर पढ़ाई का माहौल विकसित करें और बच्चों को नियमित 'सेल्फ स्टडी' के लिए प्रेरित करें। मासिक परीक्षाओं के माध्यम से कमजोर विषयों की पहचान कर उन पर समय रहते सुधार किया जाना चाहिए। बैठक के दौरान अभिभावकों ने भी अपने विचार साझा किए। उन्होंने 'सुपर-40' सेक्शन की पहल को क्रांतिकारी बताते हुए कहा कि इस विशेष शिक्षण पद्धति से बच्चों के सीखने के स्तर में गुणात्मक वृद्धि देखी जा रही है। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण अप्रैल माह की प्रथम मासिक परीक्षा के परिणाम रहे। कक्षा 6 से 12 तक के विभिन्न सेक्शंस में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को चेयरमैन द्वारा पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। पुरस्कार पाने वाले विद्यार्थियों में प्रथम पुरुष्कार उदयराज चौधरी, राम कृष्ण वर्मा, हिमांशु गुप्त, आयुष जैन, आकांक्षा वर्मा, रुचि यादव, आँचल वर्मा एवम द्वितीय पुरुष्कार आराधना वर्मा, निर्विकार तिवारी, हृदयांशी यादव, दुर्गेश कुमार, काव्या वर्मा, ओम्या पटेल, आयुषी वर्मा, दिव्या यादव, आयुषी व तृतीय पुरुष्कार शिखा वर्मा, जानवी वर्मा, निधि यादव, दीपांशी यादव, अंशिका गुप्ता, शुभ वर्मा, दिव्यांशी, आयुष कुमार, श्रेया पटेल, सरन्या वर्मा प्रमुख रहे। इस गरिमामयी अवसर पर विद्यालय के समस्त शिक्षक, भारी संख्या में अभिभावक और उत्साहित विद्यार्थी मौजूद रहे। पुरस्कार पाकर खिले हुए बच्चों के चेहरों ने उनकी मेहनत और लगन की कहानी खुद-ब-खुद बयां कर दी।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म और धमकी देने वाला आरोपी गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ख़जनी – गोरखपुर जिले के खजनी थाना क्षेत्र की पुलिस ने दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट के गंभीर मामले में वांछित एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक गोरखपुर के निर्देश पर अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। पुलिस ने आरोपी को सरया तिवारी अंडरपास के पास से गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया। पुलिस के अनुसार थाना खजनी में दर्ज मुकदमा संख्या 138/2026 में आरोपी विवेक यादव पर शादी का झांसा देकर युवती से संबंध बनाने तथा विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देने का आरोप है। मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी के खिलाफ धारा 64(2) m, 351(3) बीएनएस तथा 5एल/6 पॉक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। घटना के बाद से आरोपी फरार चल रहा था और पुलिस उसकी लगातार तलाश कर रही थी। पुलिस अधीक्षक दक्षिणी और क्षेत्राधिकारी खजनी के कुशल पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक जयंत कुमार सिंह के नेतृत्व में गठित टीम ने सोमवार सुबह मुखबिर की सूचना पर घेराबंदी कर आरोपी को सरया तिवारी अंडरपास से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी सुबह करीब 8:25 बजे की गई। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी करने के बाद न्यायालय में पेश किया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान विवेक यादव पुत्र स्वर्गीय जुगुल किशोर यादव निवासी बेलडाड़ थाना खजनी जनपद गोरखपुर के रूप में हुई है। उसकी उम्र करीब 19 वर्ष बताई जा रही है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार आरोपी का आपराधिक इतिहास भी सामने आया है। उसके खिलाफ पहले से थाना खजनी में मारपीट, धमकी और अन्य धाराओं में एक और मुकदमा दर्ज है। इस कार्रवाई में प्रभारी निरीक्षक जयंत कुमार सिंह, निरीक्षक दीनानाथ सरोज और कांस्टेबल पियूष पटेल की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि महिलाओं और नाबालिगों के खिलाफ अपराध करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

सड़क हादसे में किशोरी की मौत बच्ची घायल

सहजनवा थाना क्षेत्र के एक पेट्रोल पंप से कुछ कदम पहले अज्ञात ट्रक ने बाइक सवार को ठोकर मार दिया। जिसमें 17 वर्षीय किशोरी की मौत हो गई। और 8 वर्षीय बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मिली जानकारी से हरपुर बुदहट थाना क्षेत्र के भलुआ टोला भेलाभार निवासी शिववीर सिंह अपनी बेटी अमृता सिंह 17 वर्ष तथा बच्ची रझा सिंह 8 वर्ष को बाइक पर बैठाकर गीडा स्थित डेंटल कॉलेज में दांत दिखाने जा रहे थे। अभी वह सहजनवा स्थित पेट्रोल के कुछ कदम पहले पहुंचे थे कि विपरीत दिशा से आ रहे ट्रक को पार कर आगे बढ़े तो पीछे से आ रहे अनियंत्रित ट्रक ने बाइक में ठोकर मार दिया। जिसमें बाइक सवार शिववीर सिंह कुछ दूर जा कर गिर गए। और अमृता सिंह 17 वर्ष और बच्ची रझा भी ट्रैक के नीचे आ गए। जिसमें अमृता सिंह की मौके पर मौत हो गई। बच्ची बाल बाल बच गई। जिससे मामूली चोट आई उसका प्राथमिक उपचार कर घर भेज दिया गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतिका दो बहनों में बड़ी थी। एक छोटा भाई है।

दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत में दो घायल, ट्रामा सेंटर रेफर

हलिया, मीरजापुर। स्थानीय थाना क्षेत्र के मझियार गांव के समीप सोमवार को 6 बजे करीब सुबह दो बाइकों की आमने सामने हुई टक्कर में दादा तथा पोता गंभीर रूप से घायल हो गए। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने दोनों को ट्रामा सेंटर मिर्जापुर रेफर कर दिया।जानकारी के अनुसार लालगंज थाना क्षेत्र के नरैना कला गांव निवासी 70 वर्षीय केवला प्रसाद अपने पोते 22 वर्षीय राजनारायण के साथ बाइक से सोमवार को शादी का कार्ड बांटने निकले थे। दोनों जैसे ही थाना क्षेत्र के हलिया लालगंज मार्ग स्थित मझियार गांव के पास पहुंचे, तभी विपरीत दिशा से आ रहे एक अज्ञात बाइक सवार की बाइक में जोरदार टक्कर हो गई टक्कर लगते ही बाइक पर बैठे दोनों लोग सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए।घटना के बाद राहगीरों की सूचना पर पहुंची 102 एम्बुलेंस की मदद से दोनों घायलों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया पहुंचाया गया।

भीषण गर्मी को लेकर प्रशासन अलर्ट, लू से बचाव हेतु जारी की गई एडवाइजरी

● लू से बचाव के लिए प्रशासन ने बताए जरूरी उपाय, लोगों से सतर्क रहने की अपील

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) आदित्य प्रजापति ने बढ़ती गर्मी और हीट वेव को देखते हुए आमजन के लिए एडवाइजरी जारी की गई है। एडीएम ने लोगों से सतर्क रहने, अधिक पानी पीने तथा दोपहर के समय तेज धूप में बाहर निकलने से बचने की अपील की है। उन्होने बताया है कि शरीर में पानी और नमक की कमी होने पर लू लगने का खतरा बढ़ जाता है। विशेष रूप से बुजुर्ग, बच्चे, गर्भवती महिलाएं, मधुमेह एवं हृदय रोग से पीड़ित लोग अधिक सावधानी बरतें। उन्होने बताया कि तेज बुखार, चक्कर आना, सिरदर्द, अत्यधिक कमजोरी, उल्टी, तेज धड़कन और पसीना बंद होना लू के प्रमुख लक्षण है। बताया कि अधिक से अधिक पानी पियें। हल्कें रंग के पसीना शोशित करने वाले हल्के वस्त्र पहनें। धूप में गमछे, चश्में, छाता, टोपी व पैरों में चप्पल का उपयोग अवश्य करें।यात्रा करते समय पीने का पानी अवश्य साथ रख लें, गीले कपड़े को अपने चेहरे, सिर और गर्दन पर रखें। शराब, चाय, कॉफी जैसे पेय पदार्थो का इस्तमाल न करे, यह शरीर को निर्जलित कर सकते है। ओआरएस घोल घर में बने हुये पेय पदार्थ जैसे लस्सी, चावल का पानी (माड), नीबू पानी, छाछ, कच्चे आम से बना पन्ना आदि का उपयोग करें, जिससे कि शरीर में पानी की कमी की भरपाई हो सके।

चिल्लूपार विधायक राजेश त्रिपाठी के एस्कॉर्ट वाहन की रोडवेज बस से टक्कर

● पुलिसकर्मी समेत चार घायल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ग़ोला – गोरखपुर। जनपद के कौड़ीराम क्षेत्र में सोमवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई जब चिल्लूपार विधायक Rajesh Tripathi के साथ चल रही एस्कॉर्ट गाड़ी सड़क किनारे खड़ी सरकारी रोडवेज बस से जा टकराई। हादसा इतना जोरदार था कि एस्कॉर्ट वाहन के अगले हिस्से के परखच्चे उड़ गए और मौके पर चीख-पुकार मच गई। दुर्घटना में एस्कॉर्ट वाहन में सवार चार लोग घायल हो गए, जिनमें एक पुलिसकर्मी और वाहन चालक की हालत गंभीर बताई जा रही है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार विधायक का काफिला क्षेत्र से गुजर रहा था, तभी कौड़ीराम के पास अचानक एस्कॉर्ट वाहन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़ी रोडवेज बस से भिड़ गया। टक्कर की आवाज सुनते ही आसपास के लोग मौके पर दौड़ पड़े। स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से घायलों को तत्काल वाहन से बाहर निकाला गया। हादसे में विधायक के दीवान अभिषेक यादव, चालक राजनारायण शुक्ला समेत अन्य लोग घायल हुए हैं। सभी घायलों को पहले कौड़ीराम प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल पुलिसकर्मी और चालक को बेहतर इलाज के लिए बड़हलगंज स्थित दुर्गावती हॉस्पिटल रेफर कर दिया गया। फिलहाल वहां उनका इलाज जारी है। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंच गए। दुर्घटनास्थल पर कुछ देर के लिए यातायात भी प्रभावित रहा, जिसे बाद में पुलिस ने सामान्य कराया। राहत की बात यह रही कि हादसे के समय विधायक Rajesh Tripathi पूरी तरह सुरक्षित रहे। घटना के बाद समर्थकों और स्थानीय लोगों की भीड़ अस्पताल पहुंचने लगी। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है। शुरुआती आशंका तेज रफ्तार और अचानक नियंत्रण बिगड़ने की जताई जा रही है, हालांकि दुर्घटना के वास्तविक कारणों की जांच की जा रही है। इलाके में इस हादसे को लेकर दिनभर चर्चा का माहौल बना रहा।

संक्षिप्त खबरें

आनंद विहार बस टर्मिनल की बदलेगी तस्वीर, दिल्ली हाईकोर्ट ने किया स्पेशल टास्क फोर्स का गठन

दिल्ली। आनंद विहार बस टर्मिनल इलाके के सुंदरीकरण, पुनर्विकास और रखरखाव के लिए शहरी विकास विभाग के संयुक्त सचिव की अध्यक्षता में एक विशेष टास्क फोर्स का गठन किया है। टास्क फोर्स का गठन करते हुए न्यायमूर्ति प्रतिबा एम सिंह व न्यायमूर्ति सुधा जैन की पीठ ने कहा कि इसके लिए एक टास्क फोर्स की जरूरत है क्योंकि आनंद विहार बस टर्मिनल इलाके का पुनर्विकास किसी एक एजेंसी द्वारा अकेले नहीं किया जा सकता था। पीठ ने लोक निर्माण विभाग द्वारा तैयार और टास्क फोर्स द्वारा मंजूर की गई सुंदीकरण योजना 26 मई को पेश करने का निर्देश दिया। साथ ही अदालत ने कहा कि पुलिस यह सुनिश्चित करे कि इस बीच इलाके में कोई भी अनाधिकृत वेंडिंग न हो। टास्क फोर्स में दिल्ली नगर निगम के एक उपायुक्त और एक सहायक आयुक्त शामिल होंगे। साथ ही दिल्ली परिवहन विभाग, भारतीय रेलवे, दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन, क्षेत्रीय रैपिड ट्रांजिट सिस्टम, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम, सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण विभाग के नामित अधिकारी और पटपड़गंज औद्योगिक क्षेत्र पुलिस स्टेशन के एसएचओ भी शामिल होंगे। अदालत ने निर्देश दिया कि अधिकारी की पहली बैठक 20 मई को करें और कहा कि विशेष टास्क फोर्स आनंद विहार बस टर्मिनल इलाके के सुदरीकरण, पुर्नविकास और रखरखाव के लिए एक व्यापक योजना तैयार करने की दिशा में काम करेगी। अदालत ने कहा कि पीडब्ल्यूडी एक योजना तैयार करेगा और इमसें एक उचित स्केच के साथ-साथ प्रस्तावित लैंडस्केपिंग और सुंदीकरण को दर्शाने वाला एक थ्रीडी इलेक्ट्रॉनिक प्रस्तुतीकरण भी शामिल होगा। पीठ ने कहा कि अधिकृत स्ट्रीट वेंडरों के लिए विशिष्ट स्थान की पहचान कर निर्धारित किया जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि वेंडिंग गतिविधियां स्वच्छ और स्वास्थ्यकर तरीके से की जाएगी। मामले की सुनवाई 26 मई तक के लिए स्थगित करते हुए अदालत ने टास्क फोर्स के अध्यक्ष और अन्य अधिकारियों को वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से पेश होने का निर्देश दिया। कोर्ट ने सभी संबंधित अधिकारियों को टास्क फोर्स के निर्देशों को पूरा करने में पूरा सहयोग देने का निर्देश दिया। जनवरी माह में अदालत ने बस टर्मिनल के सुंदरीकरण व पुनर्विकास की जरूरत पर जोर दिया था, ताकि बस स्टैंड और पास के रेलवे स्टेशन पर आने वाले यात्रियों और पर्यटकों को एक आरामदायक अनुभव मिल सके।

पंजाब के बेअदबी कानून पर दिल्ली के सिखों का विरोध, आंदोलन की चेतावनी

दिल्ली। पंजाब सरकार द्वारा लाए गए 'गुरु ग्रंथ साहिब सम्मान संशोधन अधिनियम 2026' का दिल्ली का सिख भी विरोध कर रहे हैं। कानून की कमियों को दूर नहीं करने पर आंदोलन की चेतावनी दी है। दिल्ली सिख गुरुद्वारा कमेटी (डीएसजीएमसी) की सदस्य और गुरु तेग बहादुर इंस्टीट्यूट आफ टेक्नॉलाजी (जीटीबीआइटी) की अध्यक्ष रंजीत कौर ने कहा कि यह कानून श्री गुरु ग्रंथ साहिब के सम्मान की रक्षा करने के लिए नहीं बल्कि लोगों की धार्मिक भावनाओं के साथ खिलवाड़ करने और सिख समुदाय को गुमराह करने के लिए लाया गया है। उन्होंने कहा कि इसमें सबसे बड़ी कमी यह है कि कानून में 'अपवित्रता' की स्पष्ट परिभाषा नहीं दी गई है, जिससे भविष्य में इसका दुरुपयोग हो सकता है। सरकार ने सजा की बात तो की है, लेकिन यह स्पष्ट नहीं किया है कि जांच कैसे की जाएगी, दोषियों को कैसे दंडित किया जाएगा और निर्दोष लोगों को झूठे मुकदमों से कैसे बचाया जाएगा। जिनके शासनकाल में आज तक बेअदबी के असली दोषियों को न्याय के कटघरे में नहीं लाया गया है और अब वे नए कानून लाकर सिखों की आंखों में धूल झोंकने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर सरकार वाकई ईमानदार है तो उसे पहले राम रहीम जैसे बेअदबी के दोषियों को कड़ी सजा देनी चाहिए और फिर नए कानूनों की बात करनी चाहिए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि यह कानून सिख संगठनों, एसजीपीसी, दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी, हरियाणा गुरुद्वारा कमेटी, पंथिक विद्वानों और कानूनी विशेषज्ञों से परामर्श किए बिना बनाया गया है, जिससे स्पष्ट होता है कि सरकार केवल राजनीतिक लाभ प्राप्त करना चाहती है। धार्मिक मामलों पर जल्दबाजी में बनाए गए कानून समाज के लिए कभी भी अच्छे साबित नहीं होते। सिख समुदाय भावनात्मक नारों से नहीं, बल्कि सच्चे न्याय से संतुष्ट हो सकता है। उन्होंने पंजाब सरकार को चेतावनी दी कि यदि कानून में मौजूद कमियों को दूर नहीं किया गया, तो पंथक दल एक बड़ा संघर्ष छेड़ेंगे।

क्रूज शिप पर सवार अमेरिकी नागरिक मिला हंटावायरस से संक्रमित, ऑस्ट्रेलिया ने अपने नागरिकों को बाहर निकाला

● लग्जरी क्रूज शिप एमवी होंडियस पर हंटावायरस का एंडीज स्ट्रेन पाया गया है, जिससे एक अमेरिकी नागरिक संक्रमित मिला है और दूसरा लक्षण दिखा रहा है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली। हंटावायरस से प्रभावित लग्जरी क्रूज शिप एमवी होंडियस से निकाले गए एक अमेरिकी नागरिक में वायरस के एंडीज स्ट्रेन की हल्की पुष्टि हुई है, जबकि एक अन्य अमेरिकी यात्री में इसके हल्के लक्षण दिखाई दिए हैं। अमेरिकी स्वास्थ्य अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। इस बीच ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, स्पेन और नीदरलैंड जैसे देशों ने बचाव अभियान और क्वारंटीन के प्रयास तेज कर दिए हैं। अमेरिकी स्वास्थ्य और मानव सेवा विभाग ने बताया कि डच-झंडे वाले इस जहाज पर सवार सभी 17 अमेरिकियों को एयरलिफ्ट करके अमेरिका ले जाया जा रहा है। लक्षण वाले दोनों यात्री विमान की विशेष बायोकंटेनमेंट इकाइयों में यात्रा कर रहे हैं। हालांकि, दूसरे यात्री में अभी तक वायरस की पुष्टि नहीं हुई है।

अमेरिकी ने अपने नागरिकों को किया एयरलिफ्ट

HHS ने बताया कि अमेरिकी विदेश विभाग का एयरलिफ्ट यात्रियों को ओमाहा, नेब्रास्का में स्थित नेब्रास्का मेडिकल सेंटर के ASPR रीजनल इमर्जिंग स्पेशल पैथोजन ट्रीटमेंट सेंटर ले जाएगा। वहीं, लक्षण वाले यात्री को एक अन्य RESPTC सुविधा में ले जाया जाएगा। HHS ने कहा कि इन केंद्रों पर पहुंचने के बाद, प्रत्येक व्यक्ति का नैदानिक मूल्यांकन किया जाएगा और उनकी स्थिति के आधार पर देखभाल प्रदान की जाएगी। '

हंटावायरस का एंडीज स्ट्रेन

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, इस जहाज से जुड़े आठ लोग बीमार पड़े हैं, जिनमें से छह में हंटावायरस की पुष्टि हो चुकी है। अब तक तीन लोगों एक डच दंपत्ति और एक जर्मन नागरिक की मौत हो चुकी है। WHO ने बताया कि इस आउटब्रेक में पहचाना गया हंटावायरस का एंडीज स्ट्रेन गंभीर फेफड़ों की बीमारी का कारण बन सकता है और 50% तक मामलों में यह घातक साबित हो सकता है।

ऑस्ट्रेलिया ने शुरू की रेस्क्यू

ऑस्ट्रेलिया ने सोमवार को कहा कि वह जहाज से अपने नागरिकों को निकालने के लिए एक चार्टर्ड उड़ान की व्यवस्था करेगा। उनके आगमन के लिए क्वारंटीन की तैयारियां भी की जा रही हैं। पर्यावरण मंत्री मरे वाट ने कैनबरा में संवाददाताओं को बताया कि चार ऑस्ट्रेलियाई, एक टेनेरिफ निवासी और एक न्यूजीलैंड निवासी को वापस लाया जाएगा।

वाट ने कहा कि यह निकासी ऑस्ट्रेलियाई सरकार द्वारा समर्थित उड़ान के माध्यम से की जा रही है, और हमें उम्मीद है कि ये लोग जल्द ही ऑस्ट्रेलिया लौट आएंगे। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के साथ बातचीत करके क्वारंटीन की व्यवस्था को अंतिम रूप दिया जा रहा है। अधिकारियों ने इस बात की पुष्टि नहीं की है कि ऑस्ट्रेलिया लौटने वालों में से किसी में वायरस के लक्षण हैं या नहीं। वहीं, न्यूजीलैंड की सार्वजनिक स्वास्थ्य निदेशक कोरीना ग्रे ने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर उनका देश क्वारंटीन उपायों में सहयोग करने के लिए तैयार है।

WHO ने की क्वारंटीन की सिफारिश

WHO ने जहाज के सभी यात्रियों के लिए 42 दिनों के क्वारंटीन की सिफारिश की है। हालांकि, स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने जोर देकर कहा है कि यह वायरस कोविड-19 की तुलना में काफी कम संक्रामक है और इससे सार्वजनिक स्वास्थ्य को अपेक्षाकृत कम जोखिम है। हंटावायरस आमतौर पर चूहों के माध्यम से फैलता है, हालांकि, करीबी संपर्क के माध्यम से व्यक्ति-से-व्यक्ति में संक्रमण के दुर्लभ मामले भी सामने आए हैं। यह प्रकोप पहली बार 2 मई को जोहान्सबर्ग में तब सामने आया था, जब एक ब्रिटिश यात्री बीमार पड़ गया था। इससे 21 दिन पहले जहाज पर एक अन्य यात्री की मौत हो चुकी थी।

टेनेरिफ के पास लंगर डाले हुए है क्रूज शिप

एमवी होंडियस क्रूज शिप वर्तमान में स्पेन के कैनरी द्वीप समूह में टेनेरिफ़ के पास लंगर डाले हुए है। यह जहाज अर्जेंटीना से दक्षिण अटलांटिक पार करते हुए केप वर्डे की ओर जा रहा था। स्पेनिश स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, स्पेन, फ्रांस और अमेरिका पहले ही जहाज से अपने नागरिकों को निकाल चुके हैं, जबकि ऑस्ट्रेलिया और नीदरलैंड को सोमवार दोपहर तक अपनी अंतिम निकासी उड़ानें संचालित करने की उम्मीद थी।

हीरोइन को सलमान खान से पांच गुना ज्यादा मिली फीस

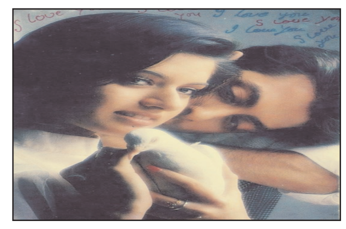

● बॉक्स ऑफिस पर सुपर-डुपर हिट रही थी 38 साल पुरानी फिल्म

सलमान खान ने तीन दशक पहले एक ब्लॉकबस्टर फिल्म दी थी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। फिल्मी गलियारों में अक्सर हीरो को हीरोइनों से ज्यादा फीस मिलती है। हीरोइन से ज्यादा फीस वसूलने वाले स्टार्स में एक नाम अभिनेता सलमान खान का भी है। सलमान खान आज बॉलीवुड के सुपरस्टार हैं। करीब चार दशक के करियर में उन्होंने कई ब्लॉकबस्टर फिल्में दी हैं, लेकिन क्या आपको पता है कि हाइएस्ट पेड एक्टर्स की लिस्ट में शुमार अभिनेता की एक फिल्म ऐसी है जो ब्लॉकबस्टर तो रही लेकिन उसके लिए उन्हें हीरोइन से पांच गुना कम फीस मिली थी।

खर्च से 7 गुना ज्यादा हुई थी कमाई

यह फिल्म थी 1988 में रिलीज हुई मैंने प्यार किया। सूरज बड़जात्या की फिल्म में सलमान खान और भाग्यश्री ने मुख्य भूमिका निभाई थी। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट रही थी। फिल्म ने खर्च से सात गुना ज्यादा कमाई थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म पर 2 करोड़ खर्च किया गया था, जबकि कमाई 14 करोड़ रुपये रही थी।

भाग्यश्री को मिली थी लाखों की फीस

इस फिल्म में हाइएस्ट पेड एक्ट्रेस भाग्यश्री थीं। उन्हें सलमान खान से पांच गुना ज्यादा फीस मिली थी। फिल्म में सीमा की भूमिका निभाने वालीं एक्ट्रेस परवीन दस्तूर ने बॉलीवुड ठिकाना के साथ बातचीत में खुलासा किया था कि भाग्यश्री को कितनी फीस मिली थी। उन्होंने कहा था, 'मुझे 25 हजार रुपये मिले थे और भाग्यश्री उस वक्त हाइएस्ट पेड एक्ट्रेस थीं। उन्हें 1 लाख 50 हजार रुपये मिले थे। '

सलमान खान की कितनी थी फीस?

वहीं, एक बार सलमान खान ने पीटीआई को दिए इंटरव्यू में मैंने प्यार किया की अपनी फीस का खुलासा किया था। उन्होंने कहा था कि शुरू में उन्हें 31 हजार रुपये फीस मिली थी जो बाद में बढ़ाकर 75 हजार रुपये कर दी गई थी। मैंने प्यार किया की बॉक्स ऑफिस सफलता के बाद एक ओर भाग्यश्री ने फिल्मी वर्ल्ड से किनारा करके शादी कर ली, दूसरी ओर सलमान खान को स्टारडम मिल गया। इस फिल्म की सफलता के बाद सलमान को साइन करने वालों की लाइन लग गई थी।

असम विश्वविद्यालय ने श्रीभूमि में आतिथ्य एवं पर्यटन शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि: सिलचर, 11 मई : असम विश्वविद्यालय के आतिथ्य एवं पर्यटन प्रबंधन विभाग ने हाल ही में श्रीभूमि जिले में एक जागरूकता एवं आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों के बीच विभाग के करियर उन्मुख शैक्षणिक पाठ्यक्रमों के प्रति जागरूकता फैलाना तथा विभिन्न शिक्षण संस्थानों के साथ शैक्षणिक सहयोग को मजबूत करना था। इस आउटरीच अभियान का नेतृत्व विभागाध्यक्ष प्रोफेसर संजीव कुमार सक्सेना ने किया। उनके साथ सहायक प्राध्यापक डॉ. प्रणबेश रंजन एवं शोधार्थी हिमोलय बोरिक भी उपस्थित थे। टीम ने जिले के विभिन्न महाविद्यालयों का दौरा कर प्राचार्यों एवं शिक्षकों के साथ संवाद किया तथा वर्तमान रोजगार आधारित बाजार में आतिथ्य एवं पर्यटन शिक्षा के बढ़ते महत्व पर प्रकाश डाला। अभियान के दौरान प्रतिनिधियों ने आतिथ्य एवं पर्यटन उद्योग में भारत और विदेशों में उपलब्ध विस्तृत रोजगार अवसरों, क्षेत्र की भविष्य संभावनाओं, विभाग की आधुनिक आधारभूत संरचना, शैक्षणिक सुविधाओं तथा व्यावहारिक प्रशिक्षण के अवसरों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। संबंधित महाविद्यालयों के प्राचार्यों एवं शिक्षकों ने छात्रों के बीच इस विषय के प्रति अधिक जागरूकता उत्पन्न करने में सहयोग का आश्वासन दिया। कार्यक्रम के अंतर्गत प्रतिनिधिमंडल ने करीमगंज कॉलेज, रवींद्रसदन कॉलेज तथा नवीनचंद्र कॉलेज का दौरा किया और संबंधित प्राचार्यों के साथ विचार-विमर्श किया। इस पहल की सराहना करते हुए प्राचार्यों ने कहा कि भविष्य के रोजगार अवसरों को देखते हुए आतिथ्य एवं पर्यटन प्रबंधन जैसे व्यावसायिक पाठ्यक्रमों का महत्व लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने यह भी मत व्यक्त किया कि इस प्रकार की पहल संस्थानों के बीच शैक्षणिक सहयोग को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

9 साल में कुछ नहीं किया, तो नौ महीनों में नए मंत्री क्या करेंगे?' योगी कैबिनेट विस्तार पर अखिलेश का तंज

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने मंत्रिमंडल विस्तार पर कहा कि जब प्रदेश में भाजपा सरकार नौ साल में जनता के लिए कुछ नहीं कर सकी, तो आखिरी नौ महीनों में नए मंत्री क्या कर लेंगे। तंज कसते हुए कहा कि इसमें मंत्रियों की कोई भूमिका नहीं होती, उधर से पर्ची आएगी और यहां सिर्फ पढ़ी जाएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा राज में सीएम का मतलब 'कोरियर एंड मैसेंजर' बनकर रह गया है। कहा कि भ्रष्टाचार, महंगाई और बेरोजगारी के सारे रिकार्ड तोड़ दिए हैं और अब भी वही स्थिति बनी रहेगी। जनता परेशान है और विकास कार्य ठप पड़े हैं। जल जीवन मिशन में बनाई गई पानी की टंकियां भ्रष्टाचार का बोझ नहीं सह पा रही हैं और लगातार गिर रही हैं। स्वास्थ्य और शिक्षा विभाग बदहाल हो चुके हैं। आरोप लगाया कि कमीशनखोरी और मुनाफाखोरी के कारण महंगाई और भ्रष्टाचार तेजी से बढ़ रहा है। वृक्षारोपण अभियान को भी उन्होंने भ्रष्टारोपण करार दिया। स्मार्ट मीटर योजना पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार बिजली उपभोक्ताओं की जेब से पैसा निकालकर उद्योगपतियों को फायदा पहुंचा रही है। भाजपा नौकरियों में आरक्षण घोटाला कर रही है और लोगों के हक-अधिकार छीन रही है।

क्रुणाल पांड्या हैं 'असली योद्धा', पेट का गहरा घाव झेलकर MI को हराया

● RCB की जीत के बाद खुद शेयर की पोस्ट

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

आईपीएल 2026 में आरसीबी की टीम ने एमआई को रविवार को खेले गए रोमांचक मैच में आखिरी गेंद पर मात दी। ये मैच 2 विकेट से जीतने के बाद आरसीबी की टीम अंक तालिका में टॉप पर पहुंच गई, जबकि मुंबई की टीम टूर्नामेंट से बाहर हो गई। इस जीत के सबसे बड़े हीरो ऑलराउंडर क्रुणाल पांड्या रहे, जिन्होंने मैच के बाद अपने सोशल मीडिया पर अपनी चोट के निशान की फोटो शेयर की, जो तेजी से वायरल हो रही हैं।

क्रुणाल पांड्या का पोस्ट VIRAL

दरअसल, रायपुर की मुश्किल पिच पर क्रुणाल पांड्या ने 46 गेंदों का सामना करते हुए 73 रन की अहम पारी खेली और टीम की जीत में बड़ा योगदान दिया। क्रुणाल जब मैदान पर बैटिंग कर रहे थे, तो उनकी मांसपेशियों के खिंचाव और दर्द से जूझ रहे थे, लेकिन अपने दर्द को सहते हुए उन्होंने मैदान पर डटे रहने का फैसला किया। मुंबई पर मिली जीत के बाद क्रुणाल ने अपनी चोट की तस्वीर सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा, 'कुछ निशान इस बात का सबूत होते हैं कि उनके लिए लड़ना सही था। '

भुवी-क्रुणाल के दम पर जीती RCB

मैच में टॉस जीतकर आरसीबी ने पहले गेंदबाजी का फैसला किया। भुवनेश्वर कुमार ने 23 रन खर्च करते हुए अपनी घातक स्विंग से मुंबई के टॉप ऑर्डर को तहस-नहस कर दिया और पावरप्ले में ही स्कोर 28/3 कर दिया। उन्होंने कुल 4 विकेट लिए। हालांकि, नमन धीर (47) और तिलक वर्मा (57) की पारियों के दम पर मुंबई ने 166/7 का स्कोर बनाया। इसके जवाब में 167 रनों का पीछा करने उतरी आरसीबी की शुरुआत बेहद खराब रही। विराट कोहली लगातार दूसरी बार 'गोल्डन डक' (0) पर आउट हुए। 39 रन के स्कोर पर टीम ने तीन विकेट गंवा दिए थे और फिर टीम की पारी को संभालने की जिम्मेदारी क्रुणाल पांड्या ने उठाई। उन्होंने अपनी पारी में 4 चौके और 5 छक्के जड़े। जैकब बेथेल (26) और जितेश शर्मा (18) के साथ क्रुणाल ने अहम साझेदारियां

कीं।

अंतिम ओवर का ड्रामा

आखिरी ओवर में आरसीबी को जीत के लिए 15 रन चाहिए थे। एमआई के राज बावा ने पहली गेंद वाइड फेंकी, फिर नो बॉल फेंकी। फ्री हिट पर रोमारियो शेफर्ड ने 1 रन लिया। फिर रसिख डार ने वाइड गेंद पर एक रन लिया और अगली गेंद पर शेफर्ड ने कोई रन नहीं लिया। यानी दो लीगल गेंद पर आरसीबी ने 5 रन बना लिए थे और 4 गेंद में 10 रन की जरूरत थी। अगली गेंद पर तिलक ने शेफर्ड का कैच लेकर मुंबई की मैच में वापसी कराई। आरसीबी को अंत में आखिरी गेंद पर दो रन की जरूरत थी। रसिख ने सीधा शॉट लगाया और गेंद बावा के हाथ से लगकर लॉन्ग ऑन की ओर गई। रसिख ने तेजी से पहला रन पूरा किया और डाइव लगाकर अपना दूसरा रन भी पूरा किया।

हाफलोंग में बैठक: बराक घाटी में गौहाटी हाईकोर्ट की स्थायी बेंच की मांग को मिला समर्थन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

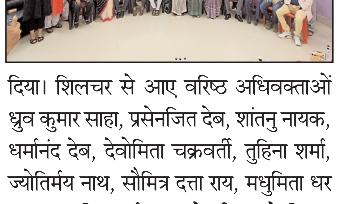

श्रीभूमि: गत 10 मई हाफलोंग जिला बार एसोसिएशन के तत्वावधान में रविवार को हाफलोंग शहर के कृषि गेस्ट हाउस में 'बराक घाटी में गौहाटी हाईकोर्ट की स्थायी बेंच की स्थापना' विषय पर एक महत्वपूर्ण बुद्धिजीवी सम्मेलन आयोजित किया गया। बैठक की शुरुआत दोपहर 1:30 बजे हुई और लगभग ढाई घंटे तक विचार-विमर्श, चर्चा एवं सुझावों का आदान-प्रदान चला। इस सम्मेलन में डिमा हसाओ जिले के प्रमुख शिक्षाविदों, समाजसेवियों, बुद्धिजीवियों, अधिवक्ताओं तथा विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया और बराक घाटी में गौहाटी हाईकोर्ट की स्थायी बेंच स्थापित करने की मांग का सर्वसम्मति से समर्थन किया। साथ ही, डिमा हसाओ जिले को भी प्रस्तावित हाईकोर्ट बेंच के दायरे में शामिल करने की पुरज़ोर मांग उठाई गई। वक्ताओं ने कहा कि भौगोलिक दूरी, आर्थिक बोझ और यात्रा संबंधी कठिनाइयों के कारण आम जनता लंबे समय से न्याय पाने में गंभीर समस्याओं का सामना कर रही है। ऐसे में बराक घाटी में स्थायी हाईकोर्ट बेंच की स्थापना समय की आवश्यकता और न्यायसंगत मांग है। बैठक में यह भी कहा गया कि बराक घाटी और पहाड़ी जिलों के नागरिकों के संवैधानिक अधिकारों तथा सुलभ न्याय व्यवस्था के लिए इस मांग का शीघ्र क्रियान्वयन आवश्यक है। इससे न केवल मुकदमेबाजी में समय और खर्च कम होगा, बल्कि न्याय व्यवस्था पर लोगों का विश्वास भी मजबूत होगा। मंच पर हाफलोंग जिला बार एसोसिएशन की अध्यक्ष दयामोनी सिंग, सचिव जयजीत थाओसेन, डॉ. सर्वजीत थाओसेन (प्राचार्य, हाफलोंग गवर्नमेंट कॉलेज), सेवानिवृत्त प्राध्यापिका रेनु महाजन, सेवानिवृत्त न्यायाधीश एलेन जेमे तथा एन.सी. हिल्स ऑटोनॉमस काउंसिल के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। सभी ने इस आंदोलन की आवश्यकता और औचित्य पर प्रकाश डालते हुए एकजुट प्रयासों पर जोर दिया। शिलचर से आए वरिष्ठ अधिवक्ताओं ध्रुव कुमार साहा, प्रसेनजित देब, शांतनु नायक, धर्मानंद देब, देवोमिता चक्रवर्ती, तुहिना शर्मा, ज्योतिर्मय नाथ, सौमित्र दत्ता राय, मधुमिता धर सरकार सहित कई अन्य ने भी अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि यह आंदोलन केवल प्रशासनिक मांग नहीं, बल्कि आम जनता के न्यायिक अधिकारों की रक्षा का अभियान है। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि भविष्य में इस मांग को लेकर बड़े स्तर पर जनआंदोलन, जन-जागरूकता कार्यक्रम और लोकतांत्रिक प्रयास किए जाएंगे। सभी उपस्थित लोगों ने इसे व्यापक जनसमर्थन तक पहुंचाने का आह्वान किया। इस बुद्धिजीवी सम्मेलन को बराक घाटी में हाईकोर्ट बेंच स्थापना आंदोलन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम और मील का पत्थर माना जा रहा है।

सुकेश चंद्रशेखर मनी लांड्रिंग केस में ED ने जैक्लिन को सरकारी गवाह बनाने का किया विरोध

● जोरदार दलील से बढ़ी मुश्किल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

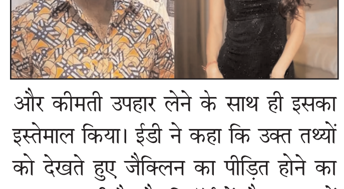

दिल्ली। ठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े 200 करोड़ के मनी लांड्रिंग मामले में सरकारी गवाह बनने की अभिनेत्री जैक्लिन फर्नांडिज की अर्जी का सोमवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पटियाला हाउस की विशेष अदालत में विरोध किया। सरकारी गवाह बनने की जैक्लिन की अर्जी का विरोध करते हुए ईडी ने कहा कि इस मामले में जैक्लिन की भूमिका छोटी न होकर अपराध की कमाई की एक बड़ी लाभार्थी के रूप में है। ईडी ने कहा कि जैक्लिन मनी लांड्रिंग में एक सक्रिय भागीदार थीं। ईडी ने तर्क दिया कि सुकेश चंद्रशेखर के आपराधिक रिकॉर्ड जानने के बाद भी जैक्लिन उसके साथ नियमित संपर्क में रहीं और ऐसे में उन्हें सरकारी गवाह बनाना न्याय के साथ खिलवाड़ होगा। ईडी ने यह भी कहा कि इससे जैक्लिन के द्वारा किए गए अपराध की गंभीरता को कम होगी। ईडी ने तर्क दिया कि सुकेश चंद्रशेखर ने मनी लांड्रिंग के अपराध से की गई अकूत कमाई से फर्नांडीज के लिए महंगे तोहफे और सामान का इंतजाम किया और जैक्लिन को सुकेश के आपराधिक इतिहास के बार में अच्छी तरह पता था। इसके बावजूद भी जैक्लिन उसके साथ जुड़ी रहीं और कीमती उपहार लेने के साथ ही इसका इस्तेमाल किया। ईडी ने कहा कि उक्त तथ्यों को देखते हुए जैक्लिन का पीड़ित होने का दावा मतलबी है और रिकॉर्ड में मौजूद साक्ष्यों से मेल नहीं खाता है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश प्रशांत शर्मा ने ईडी की तरफ से पेश किए गए तर्कों को सुनने के बाद जैक्लिन को अपना प्रत्युत्तर दाखिल करने का निर्देश दिया। मामले पर अगली सुनवाई 12 मई को होगी। ईडी ने यह भी कहा कि जांच के दौरान जैक्लिन का व्यवहार बिल्कुल भी सहयोगी नहीं रहा और वह पांच मौकों पर रिकॉर्ड किए गए अपने बयानों में सही जानकारी नहीं दे सकीं। चंद्रशेखर पर प्रधानमंत्री ऑफिस (पीएमओ) और गृह मंत्री की तरफ से काम करने वाले एक बड़े सरकारी अधिकारी के तौर पर खुद को पेश करके 200 करोड़ की ठगी की। दिसंबर 2021 में आठ आरोपितों के खिलाफ दाखिल किए गए आरोप पत्र में फर्नांडीज का नाम नहीं था। 17 अगस्त 2022 को दाखिल पूरक आरोपपत्र में ईडी ने जैक्लिन को आरोपित बनाया और हालांकि, हाई कोर्ट ने जुलाई 2025 में इसे खारिज कर दिया था।

सीमेंट से लदे ट्रॉले ने बाइक सवार को रौंदा, पैर कटकर अलग; घर के सबसे छोटे बेटे की मौत

दादरी। कोतवाली दादरी क्षेत्र के कोट नहर पुल के पास ट्रैक्टर ट्रॉली की चपेट में आने से युवक की मौत मौके पर पहुची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के अनुसार सचिन 22 निवासी छौलस जारचा सोमवार सुबह मोटरसाइकिल से रोजाना की तरह कासना निजी कंपनी में डयूटी पर मोटरसाइकिल से जा रहा था।

घर में सबसे छोटा था सचिन, नहीं हुई थी शादी

जैसे वह कोट नहर पुल से चक्रसेनपुर की तरफ मुड़ा, तभी सीमेंट से भरे ट्रॉले के पहिए के नीचे आने से मौके पर मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक सचिन परिवार में सबसे छोटा है। पिता वेदप्रकाश गांव में बेल्डिंग का कार्य करते हैं। बड़ा भाई गौरव वह भी ग्रेटर नोएडा निजी कंपनी में काम करता है। बड़ी बहन सोनिया हैं। सचिन की अभी शादी नहीं हुई थी।

बंदर की मौत पर फंस गए पूर्व विधायक, हाजी मुसर्रत अली बिट्टन पर कसा शिकंजा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले के सहसवान क्षेत्र में बंदर की मौत के मामले में पूर्व विधायक एवं समाजवादी पार्टी (सपा) नेता हाजी मुसर्रत अली बिट्टन की मुश्किलें बढ़ गई हैं. पुलिस ने मामले की जांच पूरी करने के बाद उनके खिलाफ कोर्ट में आरोप पत्र (चार्जशीट) दाखिल कर दिया है। यह मामला वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत दर्ज किया गया था. पुलिस जांच में पाया गया कि पूर्व विधायक के कार्यालय परिसर की बाउंड्री पर लगाए गए करंटयुक्त प्रतिबंधित तार की चपेट में आने से बंदर की मौत हुई थी। घटना इसी साल बीते फरवरी महीने की है. सहसवान स्थित हाजी मुसर्रत अली बिट्टन के ऑफिस परिसर की बाउंड्री के पास एक बंदर मृत अवस्था में मिला था. इस मामले में पशु प्रेमी विक्रेंद्र शर्मा की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया था. शिकायत में आरोप लगाया गया था कि परिसर की सुरक्षा के लिए लगाए गए प्रतिबंधित तार में बिजली प्रवाहित की जा रही थी, जिससे बंदर की मौत हो गई। पुलिस ने विवेचना के दौरान घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए और तकनीकी परीक्षण कराया. जांच में आरोपों की पुष्टि होने के बाद पुलिस ने न्यायालय में चार्जशीट दाखिल कर दी. सहसवान के प्रभारी निरीक्षक धनंजय सिंह ने बताया कि पूर्व विधायक के खिलाफ दर्ज मुकदमे में पर्याप्त साक्ष्य मिले हैं, जिनके

आधार पर आरोप पत्र कोर्ट में प्रस्तुत किया गया है। हाजी मुसर्रत अली बिट्टन ने कहा कि वह फिलहाल बाहर हैं और उन्हें मीडिया के माध्यम से चार्जशीट दाखिल होने की जानकारी मिली है. उन्होंने कहा कि दस्तावेज देखने के बाद ही वह इस मामले पर विस्तृत प्रतिक्रिया देंगे. पुलिस के अनुसार, अब इस मामले में आगे की कार्रवाई और सुनवाई न्यायालय में की जाएगी।

सपा सांसद इकरा हसन का आरोप: भाजपा ने 90 लाख वोट काटकर जीता बंगाल चुनाव

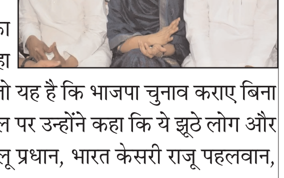

बागपत। कैराना से सपा की सांसद इकरा हसन ने कहा कि जिस तरह भाजपा चुनाव जीत रही है, उससे लोकतंत्र खत्म हो रहा है। पश्चिम बंगाल में 90 लाख वोट काटकर भाजपा ने चुनाव जीता है। 27 लाख लोगों ने आवेदन किया था, लेकिन उनकी वोट बनने से पहले ही चुनाव करा दिए गए।

सांसद इकरा हसन का महिलाओं ने तिलक लगाकर स्वागत किया

रविवार को बागपत में सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष बिल्लू प्रधान के आवास पर सांसद इकरा हसन का महिलाओं ने तिलक लगाकर, माला पहनाकर व पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। पत्रकार वार्ता में सांसद ने कहा कि यदि 27 लाख लोगों को नाम मतदाता सूची में आता तो शायद परिणाम कुछ और होता। इससे बेहतर तो यह है कि भाजपा चुनाव कराए बिना ही अपनी जीत घोषित कर दें, क्यूं लोकतंत्र का मजाक बना रहे हैं। महिला बिल का विरोध करने के सवाल पर उन्होंने कहा कि ये झूठे लोग और इन्हें झूठा ढोंग करने के अलावा कुछ नहीं आता। सपा जिलाध्यक्ष रविंद्र देव यादव, पूर्व जिलाध्यक्ष बिल्लू प्रधान, भारत केसरी राजू पहलवान, हाजी तराबुद्दीन, संजीव त्यागी, काला प्रधान, तरूण यादव, शफीक सलमानी, इरफान खान मौजूद रहे।